News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-130

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

जो लोग गिरने से डरते हैं वह कभी भी जीवन में उड़ान नहीं भर सकते।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 13 अगस्त 2024

21 दिन फरलो पर बागपत आश्रम में रहेगा

डेरा प्रमुख राम रहीम फिर जेल से बाहर आया

डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम मंगलवार को एक बार फिर जेल से बाहर आया। दुष्कर्म का दोषी राम रहीम इन दिनों रोहतक की सुनारिया जेल से सजा काट रहा है। हरियाणा सरकार द्वारा 21 दिन की फरलो मंजूर होने पर वह आज सुबह 6 बजे जेल से निकला और उसका काफिला सीधा उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित आश्रम के लिए रवाना हो गया। बताया जा रहा है कि राम रहीम फरलो का वक्त बरनावा आश्रम में ही गुजारेगा। बता दें कि यह दूसरा मौका है जब 2024 में राम रहीम को जेल से छुट्टी मिली है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राम रहीम को रिसीव करने के लिए उसकी गोद ली हुई बेटी हनीप्रीत सुनारिया जेल पहुंची थी। जेल परिसर में कड़ी सुरक्षा के बीच उसे एक गाड़ी में उत्तर प्रदेश के लिए रवाना किया गया।

गुरमीत राम रहीम 15 अगस्त को अपना जन्मदिन बागपत के बरनावा आश्रम में मनाएगा। इसके बाद 19 अगस्त को रक्षाबंधन के मौके पर वह आश्रम में ही रहेगा। इससे पहले जेल में ही उसके अनुयायी राखी और जन्मदिन के संदेश भेजते थे। हरियाणा में आने वाले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में बीजेपी सरकार की ओर से चुनावों के मद्देनजर राम रहीम को फरलो मंजूर करने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हाल ही में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने फरलो और पैरोल मामलों में राज्य सरकार को फैसला लेने का अधिकार दिया है। अदालत ने कहा कि सरकार को नियमों के तहत डेरा प्रमुख की फरलो या पैरोल पर निर्णय लेना चाहिए। इस साल पहले भी 19 जनवरी को राम रहीम को 50 दिन की पैरोल दी गई थी। जिसके खिलाफ एसजीपीसी ने याचिका दायर की थी, जिसमें तर्क दिया गया कि डेरा प्रमुख राम रहीम की अस्थायी रिहाई से सार्वजनिक व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। राम रहीम दुष्कर्म और हत्या के मामलों में सजा काट रहा है। इस साल दूसरी बार वह सुनारिया जेल से बाहर आया है।

सरकारी खजाने में लगाई 54 करोड़ की सेंध, जीएसटी अधिकारी समेत 7 अरेस्ट

दिल्ली सरकार की एसीबी ने जीएसटी रिफंड के एक बड़े घोटाले का खुलासा किया है। इस मामले में एसीबी ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक जीएसटी अधिकारी, तीन वकील, दो ट्रांसपोर्टर और एक कंपनी का मालिक शामिल है। इस संबंध में एसीबी के अधिकारी ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि आरोपितों ने फर्जी कंपनियों के लिए करोड़ों रुपये का जीएसटी रिफंड प्रदान किया, जिससे सरकारी राजकोष को भारी नुकसान हुआ है। एसीबी के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर मधुर वर्मा के मुताबिक, आरोपियों की पहचान जीएसटी अधिकारी बबीता शर्मा, वकील राज सिंह सैनी, नरेंद्र कुमार सैनी और मुकेश सोनी, ट्रांसपोर्टर सुरजीत सिंह और ललित कुमार और फर्जी कंपनी के मालिक मनोज गोयल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि जीएसटी अधिकारी बबीता शर्मा ने 54 करोड़ रुपये के फर्जी कंपनियों को कथित तौर पर रिफंड मंजूर किए, जो इन तीन वकीलों ने फर्जी कंपनियां बनाई हुई थी। ट्रांसपोर्टक सुरजीत सिंह और ललित कुमार ने फर्जी ई-वे बिल और जाली माल रसीदें मुहैया कराई थी। इसी तरह मनोज गोयल भी रिफंड से फायदा हुआ।

देशभर में 3 लाख डॉक्टर लगातार दूसरे दिन हड़ताल पर, कलकत्ता हाईकोर्ट में 3 याचिकाओं पर सुनवाई

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जूनियर डॉक्टर से हुए दुष्कर्म और हत्या के विरोध में देशभर में आक्रोश जारी है। अपनी सुरक्षा की मांगों को लेकर देशभर में 3 लाख डॉक्टर आज दूसरे दिन भी हड़ताल पर हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर मांग की है कि देश के सभी अस्पतालों को सेफ जोन घोषित किया जाए और वहां पुलिस कैंप और पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाए। उधर, डॉक्टर हत्याकांड को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट में 3 याचिकाओं पर अहम सुनवाई होगी। इसबीच, राष्ट्रीय महिला आयोग की एक टीम आरजी कर मेडिकल कॉलेज पहुंची है।भारत में रेजिडेंट डॉक्टर्स की प्रमुख संस्था फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन देश के अलग-अलग राज्यों में प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली में राममनोहर लोहिया अस्पताल के डॉक्टर हड़ताल पर बैठे और सुरक्षा की मांग की।

विनेश फोगाट पर फैसला आज, क्या भारतीय रेसलर को मिलेगा सिल्वर मेडल

भारतीय महिला रेसलर विनेश फोगाट पर ष्टस्-(कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स) आज फैसला सुनाने जा रहा। विनेश ने खुद को सिल्वर मेडल देने की मांग की थी। इसकी सुनवाई पिछले कुछ दिनों से चल रही थी। वहीं, सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला आज मंगलवार रात 9.30 बजे तक सामने आ सकता है। इस बीच विनेश फोगाट की ओलंपिक विलेज से बाहर निकलने की तस्वीर सामने आई है। इधर, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग विनेश की अपील का विरोध कर रहा है। विनेश फोगाट को रेसलिंग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के चलते अयोग्य घोषित कर दिया गया था। 29 वर्षीय विनेश फोगाट कुश्ती के 50 किलोग्राम वर्ग में फाइट कर रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विनेश ने सीएएस के सामने दो अपीलें कीं है।

मंत्रियों 8 माह बाद मिले प्रभार

इंदौर सीएम के पास, भोपाल के प्रभारी चैतन्य काश्यप, राजेद्र शुक्ला को सागर-शहडोल

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने करीब 8 माह बाद मंत्रियों को जिले का प्रभार आवंटित कर दिया, लेकिन इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे बड़े जिले विश्वासपात्र मंत्रियों के पास रखे हैं। इंदौर के प्रभारी खुद सीएम मोहन यादव हैं। जबकि, राजधानी भोपाल उद्योग मंत्री चैतन्य काश्यप, ग्वालियर तुलसी सिलावट और जबलपुर के प्रभारी जगदीश देवड़ा हैं। मध्य प्रदेश में माइनिंग के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण सिंगरौली जिले का प्रभारी क्ा।श्व मंत्री संपतिया उईके को बनाया गया है। सतना और धार कैलाश विजयवर्गीय, रीवा और भिंड का प्रभार प्रहलाद पटेल जैसे कद्दावर मंत्रियों को मिला है। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला सागर और शहडोल जिले के प्रभारी हैं।

हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को बाजार ने नहीं दिया भाव, गिरकर संभला शेयर बाजार

मुंबई। हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से अडानी प्रकरण में सीधे सेबी प्रमुख पर आरोप लगाने के बाद घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। प्रमुख भारतीय बेंचमार्क इस दौरान गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। हालांकि, थोड़ी देर की गिरावट के बाद बाजार का भरोसा लौटा और बेंचमार्क इंडेक्स हरे निशान पर लौट आए। शुरुआती कारोबार में अडानी समूह से जुड़ी कंपनियों के शेयर 17त्न तक गिर गए। इस गिरावट से निवेशकों को करीब 53000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस बिकवाली से अडानी समूह के 10 शेयरों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण यानी मार्केट कैप घटकर 16.7 लाख करोड़ रुपए हो गया। हालांकि, यह बिकवाली ज्यादा देर नहीं चली और धीरे-धीरे खरीदार लौटने लगे, जिससे प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स हरे निशान पर लौट गए। हालांकि आखिरी सत्र में बाजार में फिर बिकवाली आई और सेंसेक्स और निफ्टी सपाट बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन 30 शेयरों का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स सिर्फ 56.99 (0.07%) अंक टूटकर 79,648.92 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 50 शेयरों का एनएसई निफ्टी 20.50 (0.08%) अंक कमजोर होकर 24,347.00 पर बंद हुआ।

अफगानिस्तान के बामियान में की गई तालीबानी हरकत जैसा कृत्य...

बांग्लादेशियों ने भुला दी आजादी! 1971 में पाक सेना के सरेंडर वाले स्मारक को किया ध्वस्त

ढाका। सारी दुनिया को याद है अफगानिस्तान के बामियान में साल 2001 में तालिबान ने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण बुद्ध की प्रतिमा को नष्ट कर दिया था। ऐसा ही अब बांग्लादेश में हो रहा है। बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद जिस तरह के हालात नजर आ रहे हैं वो बेहद डराने साथ ही चौंकाने वाले भी हैं। वहां के लोगों का पाकिस्तान के प्रति प्रेम उमड़ पड़ा है।

ये अराजक तत्व अपनी आजादी की लड़ाई को भूल चुके हैं और उससे जुड़ी निशानी को भी मिटाने पर तुल गए हैं। बांग्लादेश में उपद्रवियों ने मुजीबनगर में 1971 के शहीद स्मारक स्थल पर मौजूद कई मूर्तियों को तोड़ दिया है। इस दौरान उस स्मारक को भी तहस-नहस कर दिया गया है, जिसमें 1971 की जंग में पाकिस्तान को भारतीय सेना के सामने सरेंडर करते दिखाया गया था। 1971 का यह लम्हा बांग्लादेश के लिए ऐतिहासिक था, यह उनकी आजादी की तारीख है। 1971 के युद्ध ने न केवल बांग्लादेश को आजाद कराया था बल्कि पाकिस्तान के बांग्लादेशियों पर किए जा रहे जुल्म का भी अंत था।

सीएम मोहन यादव ने किया ऐलान, बढ़ी हुई सैलरी महीने से मिलने लगेगी

मप्र में मेयर से लेकर पार्षद तक की सैलरी में 20 फीसदी की बढ़ोतरी

भोपाल। मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों की सैलरी में 20 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। सीएम मोहन यादव ने भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में रक्षाबंधन से पहले यह ऐलान किया है। बढ़ी हुई सैलरी निकाय प्रतिनिधियों को अगले महीने से मिलने लगेगी। मध्यप्रदेश में अब सभी निगम के मेयरों की सैलरी 26,000 हजार रुपए हो गई है। इसके साथ ही निगम के पार्षदों की सैलरी भी बढ़ गई है। भोपाल स्थित सीएम हाउस में आयोजित देवी अहिल्या बाई होलकर नगरीय महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन और रक्षाबंधन कार्यक्रम में प्रदेशभर से 413 नगरीय निकायों की 3300 से ज्यादा महिला जनप्रतिनिधि शामिल हुईं। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निकाय जनप्रतिनिधियों के मानदेय में बढ़ोतरी का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मेयरों की सैलरी 4400 रुपए बढ़ा दी गई है। उन्हें अब 22,000 रुपए की जगह 26,400 रुपए हर महीने मिलेंगे। इसके अलावा, उपाध्यक्ष, पार्षद, नगरपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद समेत नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षद के मानदेय में भी बढ़ोतरी की गई है।

अब इन्हें इतना मिलेगा मानदेय

-महापौर का मानदेय 22,000 से बढ़कर 26,400 रुपए प्रति माह

-नगर पालिका उपाध्यक्ष का मानदेय 18,000 से बढ़कर 21,600 रुपए प्रति माह

-नगर निगम पार्षद का मानदेय 12,000 से बढ़कर 14,400 रुपए प्रति माह

-नगर पालिका अध्यक्ष का मानदेय 6,000 से बढ़कर 7,200 रुपए प्रति माह

-उपाध्यक्ष का मानदेय 4,800 से बढ़ाकर 5,760 रुपए प्रति माह

-पार्षद का मानदेय 3,600 से बढ़ाकर 4,320 रुपए प्रति माह

अच्छा करने वालों को मिलेगा इनाम

मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छा काम करने वाले नगर निगम को 5 करोड़ और नगर पालिका को 2 करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा। उन्होंने सिंगल क्लिक के माध्यम से ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि जहां-जहां सड़क चौड़ीकरण हुआ, वहां मुआवजे का मुद्दा था। आज के बाद नगर निगम एरिया में 24 मीटर से बड़ी सड़कों के चौड़ीकरण के लिए किसी भी जमीन या मकान लेंगे, तो उसे फ्लोर रेश्यो एरिया के हिसाब से मुआवजा देंगे। पैसा नगर निगम के पास आएगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उद्योग आधारित वर्ष मनाने वाले हैं। कोशिश है कि लघु, कुटीर महिला स्व-सहायता समूह को मिलाकर रोजगार उपलब्ध कराएं। भविष्य में हर जिले में सम्मान के साथ पुलिस बैंक के साथ कार्यक्रम हो सकेंगे।

विजयवर्गीय बोले- महिला सशक्तिकरण भाजपा का लक्ष्य

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भगवान शिव में शक्ति हैं, तो शिव हैं। बिना महिला शक्ति के समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। महिला सशक्तिकरण भाजपा का लक्ष्य है, इसलिए महिलाओं के लिए लाड़ली बहना योजना हो या अन्य योजना, ये सब महिला सशक्तिकरण के लिए शुरू की हैं। एमपी पहला राज्य है, जिसने स्थानीय निकाय के चुनाव में 50त्न आरक्षण महिलाओं को दिया।

News सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

सिंगल कॉलम

इंदौर में मच्छरों का प्रकोप, 24 घंटे में मिले डेंगू के 11 मरीज

इंदौर। इंदौर में पिछले 24 घंटों में डेंगू के 11 मरीज मिले हैं। ये मरीज विजय नगर, अग्रवाल नगर, नवलखा, इंद्रपुरी, तुलसी नगर, श्री श्याम रेसीडेंसी आदि क्षेत्रों में मिले हैं। इन सभी स्थानों पर लार्वा सैंपल लेकर छिड़काव किया जा रहा है। 11 मरीजों में 7 पुरुष और 4 महिलाएं हैं। इन सभी का घरों पर इलाज चल रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी दौलत पटेल बताया कि डेंगू एडीज इजिप्टी (मादा मच्छर) के काटने से फैलता है। यह बुखार मच्छरों द्वारा फैलाई जाने वाली बीमारी है। यह स्थिति तब बनती है घरों में या आसपास एक ही स्थान पर बहुत दिनों से पानी जमा हो। जैसे कूलर, वॉश एरिया, सिंक, गमलों आदि भी कई बार पानी जमा रहता है जो डेंगू का कारक बनता है। एडीज मच्छर पानी जमाव होने की स्थिति में सक्रिय हो जाते हैं। इन मच्छरों की प्रकृति यह है कि ये दिन में ही काटते हैं। फिर कुछ समय बाद इसकी चपेट में आए लोगों को तेज बुखार, शरीर पर लाल चकते पड़ना, सिर, हाथ-पैर और बदन में तेज दर्द, भूख न लगना, उल्टी-दस्त, गले में खराश, पेट में दर्द और लीवर में सूजन आदि लक्षण दिखते हैं। ऐसे में संबंधित व्यक्ति को तुरंत डॉक्टरों को दिखाना चाहिए। इसके बाद ब्लड टेस्ट में इसकी जांच होती है जिसमें पुष्टि होती है कि उसे डेंगू है या दूसरी बीमारी।

इंदौर से 5 साल पहले लापता हुए शख्स को दिल्ली में ढूंढ निकाला

इंदौर। इंदौर के विजय नगर इलाके में रहने वाले एक 40 साल के व्यक्ति को दिल्ली पुलिस ने 5 साल बाद ढूंढ निकाला। जानकारी के मुताबिक शख्स घर पर एक चिठ्?ठी लिखकर नौकरी के लिए चला गया था। पत्नी ने 8 अगस्त 2024 को डीसीपी जोन 2 के सामने गुहार लगाई इसके बाद टेक्निकल डेटा से व्यक्ति को ढूंढ़ा गया। उसे समझाइश देकर परिवार के सुपुर्द किया गया। डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा के पास 8 अगस्त 2024 को एक महिला पहुंची। उसने बताया कि पति साल 2020 में घर से चले गए। उन्होंने घर पर एक चिट्?ठी सौंपी। जिसमें लिखा कि उसे पढ़ाई करना है। वह यहां रहकर पढ़ाई नही कर पा रहा। उसे नौकरी के लिये बाहर जाना है। जब तक मैं कुछ बन नहीं जाता तुम लोग मेरी तलाश मत करना। पीड़िता ने बताया कि उसके परिवार की प्रतिष्ठा खराब नहीं हो। इसलिए पुलिस को सूचना नहीं दी। लेकिन सभी कोशिशों के बाद जब वह नही मिले तो पुलिस को जानकारी दी। मामले में डीसपी ने उसके पुराने मोबाइल नंबर, आधार कार्ड और आईटी रिटर्न के साथ टेक्निकल डेटा इकट्?ठा किया। तब उसकी लोकेशन दिल्ली में मिली। इसके बाद टीम नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, कनॉट प्लेस, नोएडा इलाके में सर्चिंग की। वह युवक दिल्ली के मुखर्जी नगर में मिला। इंदौर आने पर उसे समझाइश देकर पत्नी और 12 साल के बेटे को सामने लाया गया। बेटे को देखकर पिता रोने लगा। उसने इंदौर पुलिस को धन्यवाद दिया।

कोलकाता में डॉक्टर के मर्डर को लेकर इंदौर के जूनियर डॉक्टरों में भी आक्रोश

इंदौर। कोलकाता डॉक्टर-मर्डर केस को लेकर इंदौर के जूनियर डॉक्टरों में भी आक्रोश है। सोमवार को एमजीएम मेडिकल कॉलेज और एमवायएच के डॉक्टरों ने दोपहर 3 बजे के बाद रुटीन काम बंद कर दिया। हालांकि इमरजेंसी केसों में इलाज किया जा रहा है। शाम को फिर डॉक्टरों ने कैंडिल मार्च निकाला। इस दौरान घटना की निंदा की और दिवंगत डॉक्टर को श्रद्धांजलि दी। डॉक्टरों ने एमवाय अस्पताल से एमजीएम मेडिकल कॉलेज तक कैंडिल मार्च निकाला। इसके साथ ही सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने मांग की कि सभी मेडिकल कॉलेजों में 24 घंटे सिक्योरिटी गार्ड रहे। किसी भी अनजान या संदेहास्पद व्यक्ति का ड्यूटी रूम और सेमिनार हॉल में प्रवेश न हो। हर मेडिकल कॉलेज में भोजन और स्वलापहार की 24 घंटे की व्यवस्था हो ताकि रेजिडेंट डॉक्टर को बाहर न जाना पड़े। उनके होस्टल में अच्छा वातावरण हो। होस्टल और हॉस्पिटल के बीच के रास्ते पर सुरक्षा के पूर्ण साधन उपलब्ध रहे।

कार कंपनी के सेल्समैन ने किया सुसाइड, आधी रात को घर में लगाई फांसी

इंदौर। इंदौर में कार कंपनी के सेल्समैन ने सुसाइड कर लिया। रात में पत्नी ने उसे देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। परिवार को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिये एमवाय भेजा गया है। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम धीरज (30) पुत्र मुकेश पटेल निवासी सिंगापुर टाउनशिप है। परिवार ने पुलिस को बताया कि एक साल पहले ही नेहा से धीरज की शादी हुई थी। रात में दंपती घर पर अकेले थे। रात करीब 2 बजे धीरज को पत्नी ने ही फंदे पर देखा था। धीरज मूल रूप से मालता खेड़ा का रहने वाला है। परिवार में माता-पिता और छोटा भाई है। सभी गांव में रहते हैं। सूचना के बाद सोमवार सुबह परिवार इंदौर पहुंचा है। मामले में जांच की जा रही है।

इंदौर में चलती आईबस में धुआं निकला, यात्री बस से कूदे, छात्रा घायल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में बीआरटीएस पर चलने वाली आईबस में अचानक धुआं निकलने लगा। यह देखकर ड्राइवर ने बस को कंट्रोल किया। लेकिन कुछ ही देर में बस बंद होकर रुक गई। घटना सोमवार सुबह पलासिया से गीताभवन के बीच की है। बस में अधिकांश स्टूडेंट सवार थे। अचानक धुआं निकलते देख बस में बैठे यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कुछ यात्री चलती बस से कूदने लगे। इसमें बैठी छात्राओं में से एक को पैर में चोट आई है। ड्राइवर-कंडक्टर ने एआईसीटीएसएल को फोन लगाकर सूचना दी और बस में बैठे यात्रियों को एक-एक कर नीचे सुरक्षित उतारा। हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मैकेनिक ने केबल का कनेक्शन काटा

घटना की सूचना के बाद एआईसीटीएसएल ने तत्काल मैकेनिक को रवाना किया । मैकेनिक ने मौके पर पहुंचकर केबल का कनेक्शन काट दिया। कुछ ही देर में बस से धुआं निकलना बंद हो गया। एआईसीटीएसएल की पीआरओ मालासिंह ठाकुर ने बताया कि तकनीकी कारणों से आई बस का टर्बो इंजन फेल होने से सफेद धुंआ निकला। किसी भी प्रकार की जन हानि नहीं हुई। सभी यात्रियों को तत्काल अन्य बस में शिफ्ट किया गया।

2022 में भी हुई थी ऐसी घटना

नवंबर 2022 में भी इंदौर में ऐसी घटना हुई थी। तब सत्यसांई चौराहे पर आई बस में भीषण आग लग गई थी। आग इतनी खतरनाक थी कि बस का ड्राइवर बस को ऐसे ही छोड़ कर बाहर कूद गया। वहीं आसपास के लोगों ने भी इधर उधर भाग कर अपनी जान बचाई थी। आग की लपटें काफी दूर से दिखाई दे रही थीं।

दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग को काबू किया था।

उच्च शिक्षा में पिछड़ रहा इंदौर

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग 2024 से मिली निराशा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई एनआईआरएफ यानी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग 2024 में इंदौर के प्रमुख संस्थानों को निराशा हाथ लगी है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर की रैंकिंग दो पायदान गिरकर 16वें स्थान पर आ गई है। जबकि पिछले साल यह 14वें स्थान पर था। इसके अलावा, ओवरऑल कैटेगरी में भी आईआईटी इंदौर की रैंकिंग पांच पायदान गिरकर 33वें स्थान पर आ गई है। इस साल आईआईटी को एनआईआरएफ रैंकिंग में दो पायदान का नुकसान होने के साथ ही 64.72 अंक प्राप्त हुए हैं। पिछले साल आईआईटी इंदौर को ओवर ऑल कैटेगरी में जहां 58.00 अंक मिले थे तो वहीं इस साल अंक में गिरावट के साथ ही 57.31 अंक मिले हैं।

आईआईएम की स्थिति और भी खराब

इसी तरह, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) इंदौर की स्थिति में भी सुधार नहीं हुआ है। यह संस्थान पिछले साल की तरह ही आठवें स्थान पर रहा है। जबकि 2022 में इसे सातवीं रैंक मिली थी। आईआईएम की बात करें तो उसे इस साल 73.53 अंक मिले हैं। जबकि आईआईएम इंदौर को एनआईआरएफ रैंकिंग 2023 में 71.95 अंक मिले थे। अंक के हिसाब से भले ही आईआईएम की रैंक नहीं सुधरी हो लेकिन अंक जरूर बढ़े हैं। एनआईआरएफ रैंकिंग की यह गिरावट दोनों संस्थानों के

लिए चिंता का विषय है। आईआईएम इंदौर की स्थिति तो और भी खराब है क्योंकि इसकी रैंकिंग पिछले कुछ सालों से लगातार गिर रही है। साल 2019 में इसे पांचवी रैंक मिली थी, जो कि अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

डेंटल कॉलेज भी पीछे हो गया

इन दोनों संस्थानों के अलावा, डेंटल कैटेगरी में भी इंदौर का गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज पिछले साल के मुकाबले खिसक गया है। यह अब शीर्ष 40 के बाहर है। पिछले साल यह 32वें स्थान पर था। वहीं, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को स्टेट यूनिवर्सिटी की कैटेगरी में 50वां स्थान मिला है। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी को 48.35 अंक मिले हैं।

कैसे मिलती है रैंकिंग

एनआईआरएफ रैंकिंग संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान, छात्रों के प्रदर्शन, समाज सेवा और प्रतिष्ठा जैसे पैरामीटरों पर आधारित होती है। इन संस्थानों की रैंकिंग में गिरावट से यह संकेत मिलता है कि इन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते देश के शीर्ष संस्थानों को अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास करने होंगे। छात्रों के हित में भी यह जरूरी है कि वे संस्थानों का चयन करते समय सिर्फ रैंकिंग पर ही निर्भर न रहें, बल्कि अन्य महत्वपूर्ण कारकों पर भी ध्यान दें।

इंदौर की सबसे पहली हाईराइज बिल्डिंग टूटेगी

50 साल में हो गई खतरनाक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पचास साल पहले इंदौर में अपार्टमेंट कल्चर नहीं आया था। तब पार्क रोड पर शहर की पहली छह और सात मंजिला हाईराइज बिल्डिंग विनय-विमल बनी थी। इतने वर्षों में अब यह बूढ़े अपार्टमेंट खतरनाक घोषित हो चुके है। फ्लैट की गैलरियों के प्लास्टर उखड़ चुके है। पिलर में से सरिए झांकने लगे है और कई जगह दरारों में उगे पेड़ों की जड़ों ने बिल्डिंग को खतरनाक कर दिया है। नगर निगम ने फ्लैटधारकों को बिल्डिंग खाली करने के नोटिस थमाए है। रहवासियों का कहना है कि बिल्डिंग मजबूत है बस मरम्मत की जरुरत है। रहवासी नए सिरे से प्लॉटों का संयुक्तिकरण कर बिल्डिंग का निर्माण करना चाहते है। इसके लिए नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में आवेदन भी दिया गया है। विमल अपार्टमेंट में 56 फ्लैट है,जबकि विनय अपार्टमेंट में 36 फ्लैट है। इसके अलावा तल मंजिल पर दो दुकाने है। दो प्लॉटों पर इसका निर्माण वर्ष 1974 को किया गया था। अब काफी सस्ते में यहां फ्लैट बिके थे। अब कई फ्लैट मालिक यहां से दूसरी जगह चले गए और फ्लैट किराए पर दे दिए।

इस बिल्डिंग के पाइप खराब होने के कारण रिसव भी काफी होता है, हालांकि फ्लैट के भीतरी हिस्से में लोगों ने मरम्मत करा रखी है, लेकिन बिल्डिंग का बाहरी हिस्सा जर्जर नजर आ रहा है।

वक्फ बोर्ड की जमीन पर कब्जे का विवाद पहुंचा थाने

प्रशासन ने हटाई बाउंड्रीवाल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। वक्फ बोर्ड की जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे को लेकर लगातार प्रशासन के पास शिकायतें आ रही है। इसे लेकर प्रशासन ने लसुड़िया क्षेत्र में बाउंड्रीवाल तोड़कर 100 करोड़ रुपये की जमीन कब्जे से मुक्त कराई। वक्फ बोर्ड के पदाधिकारियों को जानकारी मिली थी कि जमीन पर बाउंड्रीवॉल बनाई जा रही है। इसके अलावा दफ्तर संचालित करने के लिए एक कंटेनर भी वहां रखा गया है। कुछ पदाधिकारी मौके पर पहुंचे तो बाउंड्रीवॉल बनवा रहे भाजपा से जुड़े लोगों से उनका विवाद हो गया। इसके बाद बोर्ड के सचिव साजिद रायल अपने साथियों थाने पहुंचे और शिकायत की। इसके बाद प्रशासन को भी सूचना दी गई। कलेक्टर आशीष सिंह ने मामले की जांच कराई। पता चला कि जमीन का प्रकरण कोर्ट में लंबित है। कब्जा करने वाला पक्ष इसे अपनी जमीन बता रहा है तो बोर्ड इसे अपनी जमीन बता रहा है। 23 अगस्त को इसकी सुनवाई कोर्ट

में भी है। फिलहाल प्रशासन ने दीवार तोड़कर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। पांच एकड़ इस जमीन की कीमत 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की है। खजराना गांव में रहने वाले एक परिवार ने इस जमीन का सौदा किया है। यह जमीन पहले भी बिक चुकी है। अब अफसर वक्फ बोर्ड की जमीनों की अन्य बिक्री की जांच भी करा रहे है। कुछ सौदों की जानकारी भी लगी है।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा में फेरबदल यूजीसी नेट का नया नियम लागू

इंदौर। इंदौर की देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने पीएचडी परीक्षा में फेरबदल किया है, जिसके बाद विद्यार्थियों में जानने की उत्सुकता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि इस बदलाव से प्रवेश परीक्षा को लेकर आसानी होगी। दरअसल, डीएवीवी की हर साल होने वाली पीएचडी प्रवेश परीक्षा इस बार कुछ चुनिंदा विषयों के लिए ही होगी। जिन विषयों में यूजीसी नेट नहीं होता है, उनमें पीएचडी प्रवेश परीक्षा कराई जाएगी। बाकी सभी विषयों में पीएचडी के लिए नेट क्वालीफाई शोधार्थी को मौका मिलेगा।

यूजीसी ने बीते मार्च में पीएचडी एडमिशन को लेकर बड़ा बदलाव किया है। उसे यूनिवर्सिटी इसी साल से लागू करने जा रही है। इस पर अंतिम निर्णय पीएचडी कमेटी की बैठक में लिया जाएगा। इस साल नवंबर तक पीएचडी प्रवेश परीक्षा होगी, लेकिन उसमें चुनिंदा विषय ही रहेंगे। इसमें इंजीनियरिंग के विषय, सांख्यिकी, एनर्जी सहित 16 स्पेशलाइजेशन विषय शामिल होंगे, जबकि बाकी के 26 से 27 विषयों के लिए यूजीसी की नई व्यवस्था के तहत एडमिशन होंगे। इसमें हिंदी, अंग्रेजी, हिस्ट्री, लॉ, केमेस्ट्री, फिजिक्स, मैथ्स, इकोनॉमिक्स, कॉमर्स, मैनेजमेंट सहित अन्य विषय शामिल हैं।

पीएचडी एडमिशन की गाइडलाइन

यूजीसी ने नेट (नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट) के जरिए एडमिशन के लिए गाइडलाइन जारी की है। अब नेट कैटेगरी 2 और 3 में क्वालीफाई करने वाले उम्मीदवारों को पीएचडी में प्रवेश के लिए टेस्ट स्कोर के लिए 70 प्रतिशत वेटेज और साक्षात्कार के लिए 30 प्रतिशत वेटेज दिया जाएगा। कैटेगरी 2 और 3 में प्राप्त नेट स्कोर एक वर्ष की अवधि के लिए मान्य होती है। यूजीसी ने इसे तीन कैटेगरी में प्रस्तावित किया है।

प्रवेश परीक्षा 100 विषयों के लिए संभव

विवि की ओर से वैसे इस बार पीएचडी के लिए अभी तक करीब 700 सीटें खाली होने की जानकारी सामने आई है, लेकिन इसकी ऑफिशियल प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। गाइड की संख्या भी 300 के आसपास है, लेकिन प्रवेश परीक्षा नवंबर तक होगी और यह 100 सीटों के लिए हो सकती है। पीएचडी सेल प्रभारी डॉ. अशेष तिवारी के अनुसार हम इसकी प्रक्रिया जल्द शुरू करेंगे।

कंपनी ने प्रमोशनल डिस्काउंट बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया

इंदौर से पीएमश्री उड़ान सेवा को नहीं मिल रहे यात्री

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सप्ताह में एक दिन सोमवार को इंदौर से चलने वाली पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा को यात्री नहीं मिल रहे हैं। कंपनी एक बार फिर से प्रमोशनल डिस्काउंट बढ़ा कर 50 प्रतिशत कर दिया है। इसके बाद भी सोमवार को इंदौर से भोपाल और जबलपुर जाने वाली दोनों उड़ानों में सभी 6 सीट खाली रहीं। बीते सोमवार को इंदौर से आने जाने वाली उड़ानों में केवल तीन यात्री मिले थे। कंपनी ने बीते दिनों एक दिन चलाकर अपनी खजुराहो उड़ान को भी बंद कर दिया था। बता दें कि कंपनी अभी तक सिर्फ़ 35 प्रतिशत ही डिस्काउंट दे रही थी। कंपनी ने 31 जुलाई को अगस्त माह का शेड्यूल जारी किया था। इसमें इंदौर से भोपाल और जबलपुर के लिए सीधी उड़ानें हैं। जून माह में जब यह सेवा शुरू हुई थी तो रीवा और उज्जैन के लिए भी उड़ानें थी और प्रदेश के आठ शहरों को आपस में जोड़ने की योजना थी।

कंपनी इस उड़ान का संचालन नॉन शेड्यूल उड़ान (चार्टर्ड उड़ान) के रूप में कर रही हैं। जिसके लिए 6 सीटर विमान का उपयोग किया जा रहा था। कंपनी की बाद में बड़ा विमान लाने की भी योजना थी। वहीं मध्यप्रदेश शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए कंपनी ने पहले माह किराए में 50 प्रतिशत तक की

छूट दी थी। जिसे बाद में 20 प्रतिशत और अब 35 प्रतिशत किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अब श्रावण माह के साथ 15 प्रतिशत अतिरिक्त डिस्काउंट उपलब्ध करवाया गया है। जिससे यात्री को सीधे 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। लेकिन इसके बाद भी सीटें खाली हैं।

कंपनी ने नया शेड्यूल किया जारी

फ्लाई ओला कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर नया शेड्यूल भी जारी कर दिया है। इस शेड्यूल के हिसाब से कंपनी ने इंदौर से कोई नई फ्लाइट नहीं बढ़ाई है। इंदौर से हफ्ते में एक दिन यानी सोमवार को ही भोपाल और जबलपुर के फ्लाइट का संचालन होगा। बता दें कि कंपनी अधिकारी 15 अगस्त के बाद इंदौर से उज्जैन की फ्लाइट शुरू करने की बात कह रहे थे। लेकिन कंपनी द्वारा जारी किए गए नए शेड्यूल में इस फ्लाइट को अभी शुरू नहीं किया गया है।

मैसूर-रानी कमलापति-सहरसा एक्सप्रेस बेपटरी, यात्रियों में हड़कंप

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। इटारसी में मैसूर-रानी कमलापति-सहरसा एक्सप्रेस (01663) बेपटरी हो गई। ट्रेन के दो कोच पटरी से नीचे उतर गए। सूचना मिलते ही रेलवे की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। हादसा सोमवार शाम 6.20 बजे के करीब हुआ। ट्रेन इटारसी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर लगने जा रही थी। बताया जा रहा है कि उस समय ट्रेन की स्पीड 20 से 30 किमी प्रतिघंटा थी। तभी ट्रेन के कोच बी-1 के दो पहिए और बी-2 के चार पहिए पटरी से उतर गए।

ट्रेन के बेपटरी होते ही यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन रुकी तो यात्री बाहर आ गए। हादसे के बाद स्टेशन के दो और तीन नंबर प्लेटफार्म का रेलवे ट्रैक बाधित हो गया।

भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों के अनुसार हादसे में किसी को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हादसे के कारण के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है।

यात्री चिल्लाते हुए ट्रेन से उतरे

मैसूर से रानी कमलापति की ओर चलने वाली समर स्पेशल ट्रेन इटारसी रेलवे जंक्शन पहुंच रही थी। प्लेटफॉर्म 2 पर पहुंचने से पहले ही दो एसी कोच बी1 और बी2 पटरी से उतर गए। यात्री डर गए और चिल्लाते हुए ट्रेन से उतरने लगे। हालांकि, कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा टल गया।

यात्रियों को दूसरे कोच में कर रहे शिफ्ट

मैसूर-रानी कमलापति-सहरसा एक्सप्रेस के बी-1 और बी-2 कोच के यात्रियों को दूसरे

कोच में शिफ्ट किया गया। रेलवे की ओएचई लाइन बंद कर बोगी को पटरी पर लाने के लिए रेस्क्यू किया गया।

छोटे रेलवे स्टेशन पर रोकी बड़ी गाड़ियां

ट्रेन के बेपटरी होने के बाद भोपाल-इटारसी, इटारसी-भोपाल रेल यातायात बाधित हो गया। कुछ ट्रेनों को छोटे-छोटे रेलवे स्टेशन पर रोका गया। समता एक्सप्रेस और जनशताब्दी को बुधनी रेलवे स्टेशन पर रोका गया।

225 मकान-दुकानों वाली पुरानी बिल्डिंग तोड़ना शुरू

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के 5 नंबर मार्केट स्थित 45 साल पुरानी बिल्डिंग को तोड़ने की शुरुआत सोमवार से हो गई। इन बिल्डिंग में कुल 225 मकान और दुकानें हैं। जिन्हें पूरी तरह से जर्जर घोषित किया जा चुका है। इसलिए पुलिस की मौजूदगी में हाउसिंग बोर्ड ने कार्रवाई शुरू की। अति जर्जर 27 मकान को पहले फेस में तोड़ा जा रहा है। कई लोगों ने छतों और बरामदों में भी अतिक्रमण कर रखा है। इसे भी तोड़ा गया।

मध्यप्रदेश के सागर में दीवार गिरने से 9 बच्चों की मौत के बाद भोपाल में भी पुरानी और जर्जर बिल्डिंगों को तोड़ा जा रहा है। सोमवार को 5 नंबर मार्केट में कार्रवाई शुरू हो गई। सहायक यंत्री अर्जुन गौर ने बताया कि रविशंकर मार्केट की बिल्डिंग को पूर्णतः जर्जर घोषित किया जा चुका है। यहां कुल 225 मकान और दुकानें हैं। पहले फेस में 27 मकानों को चुना है। दो मल्टी में कार्रवाई चल रही है। इसके साथ

अतिक्रमण को भी हटाया जा रहा है। कई लोगों ने घर की छत पर भी निर्माण कर उन्हें किराए पर दे दिया था, लेकिन ये बिल्डिंग रहने योग्य नहीं है। ऐसे में बड़ा हादसा भी हो सकता है। इसलिए जर्जर भवन तोड़े जाने लगे हैं।

नया प्रोजेक्ट बनेगा

5 नंबर स्थित आरएसएस मार्केट में 165 मकान और 65 दुकानें हैं। यह पूरी कॉलोनी 45 साल पुरानी है। बिल्डिंग जर्जर हो चुकी है। सरकार की री-डेवेलेपमेंट पॉलिसी के तहत हाउसिंग बोर्ड इसे तोड़कर यहां नया प्रोजेक्ट ला रहा है। यहां के ज्यादातर लोगों ने नए प्रोजेक्ट के लिए अपनी सहमति दी है। हालांकि, हाउसिंग बोर्ड सभी दुकानदारों को पास में अस्थाई दुकान बनाकर दे रहा है। नए प्रोजेक्ट में यहां के लोगों को हाउसिंग बोर्ड वर्तमान मकान से 20 फीसदी बड़ा घर बनाकर देगा। नए दुकान-मकान फ्री में मिलेंगे। साथ ही जितने समय प्रोजेक्ट का निर्माण होगा, उतने समय तक कलेक्टर गाइड लाइन के मुताबिक बोर्ड किराया भी देगा।

पूर्णतः जीर्ण-शीर्ण घोषित

राजीव गांधी टेक्निकल यूनिवर्सिटी ने आरएसएस मार्केट के भवनों का स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी टेस्ट किया था। इस रिपोर्ट में 45- 50 साल पुरानी इस इमारत को पूर्णतः जीर्ण-शीर्ण बताया था। नगर निगम ने भी इस इमारत को जर्जर घोषित किया है। लिहाजा इसे री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत नए सिरे से विकसित किया जा रहा है।

20-20 मंजिला 8 टॉवर बनेंगे

री-डेवलपमेंट के तहत नए प्रोजेक्ट में यहां पर 20-20 मंजिला कुल 8 टॉवर बनेंगे।

1 बीएचके से लेकर 5 बीएचके तक के 380 फ्लैट और 129 दुकाने बनेंगी। अभी 65 दुकानें और 165 मकान हैं। नए प्रस्ताव के मुताबिक यहां वन बीएचके के 80, 2 बीएचके के 120, 3बीएचके के 40, 4 बीएचके के 120, 5 बीएचके के 20 फ्लैट और 129 नई दुकानें बनेंगी। इस तरह नए खरीदारों के लिए 215 फ्लैट और 64 नई दुकानें उपलब्ध होंगी।

स्कूलों में आरएसएस की किताबें पढ़ाने पर सियासत गर्म

कांग्रेस बोली जाएंगे अदालत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के स्कूल और कॉलेजों में आरएसएस के लेखकों की किताबें पढ़ाए जाने के शिक्षा विभाग के फैसले पर सियासत गर्म होती जा रही है। जहां भाजपा ने इस निर्णय को उचित ठहराया है। वहीं कांग्रेस इस फैसले के खिलाफ अदालत जाने की तैयारी कर रही है।जानकारी के मुताबिक प्रदेश के स्कूल-कॉलेजों में संघ लेखकों की किताबें पढ़ाए जाने का निर्णय उच्च शिक्षा विभाग ने किया है। इसके लिए विधिवत आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर कहा है कि प्रदेश के सभी कॉलेजों की लाइब्रेरी में 88 किताबें अनिवार्यता के साथ रखें। आदेश में कहा गया है कि किताबों की एक-एक प्रति आवश्यक रूप से रखी जाए।

भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के तहत संघ नेताओं की लिखी किताबें पढ़ाई जाएंगी। आरएसएस नेताओं की किताबें पढ़ाने का भाजपा ने समर्थन किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि इसमें कोई गलत बात नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का तो काम ही विरोध करना है।

स्कूलों में संघ के लेखकों की किताबें पढ़ाने के फैसले का कांग्रेस ने विरोध किया है। पूर्व कांग्रेस विधायक कुणाल चौधरी ने इस मामले को लेकर कहा कि भाजपा नफरत फैलाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के ज्ञान प्रकोष्ठ को अज्ञान प्रकोष्ठ बनाने में जुटी दिखाई दे रही है। चौधरी ने कहा कि सरकार के फैसले के खिलाफ कांग्रेस कोर्ट जाएगी।

अतिथि शिक्षकों को पसंद की स्कूल चुनने का मिलेगा मौका

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर लगातार सवाल खड़े होते रहे हैं। जब से सरकार ने अतीत शिक्षकों की भर्ती के लिए पोर्टल खोला था तभी से सर्वर डाउन होने की शिकायत आ रही थी। इसे देखते हुए भर्ती की तारीख बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही अतिथि शिक्षकों को पहली बार सरकार पसंदीदा स्कूल च्वॉइस करने की भी सुविधा देने जा रही है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा खाली पड़े 70 हजार अतिथि शिक्षकों की भर्ती की जानी है। जिसको लेकर पहले विभाग ने आवेदन करने की

आखिरी तारीख 17 अगस्त निर्धारित की थी। जिसे अब बढाकर 20 अगस्त कर दिया गया है। जिसको लेकर लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने आदेश जारी कर दिया है। अब हर माह में 7 तारीख को अतिथि शिक्षकों को मानदेय मिलेगा। प्रदेश के स्कूलों में अतिथि शिक्षकों को रखने के लिए रिक्त पदों को जीएफएमएस पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाएगा। बता दें कि मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की 70 हजार पद खाली है। स्कूल में शिक्षक के लिए तीनों वर्ग के शिक्षकों की रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षक काम करेंगे। पसंदीदा स्कूल में सेवा देने के लिए च्वॉइस की सुविधा भी सरकार देगी। इसके बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर स्कूल विकल्प का चयन होगा। डीपीआई ने निर्देशित किया है कि पिछले सत्र 2023-24 में स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को पहले ज्वाइनिंग की सुविधा दी जाएगी। इसके बाद शेष रिक्त पदों पर स्कोर कार्ड के आधार पर मेरिट क्रम में स्कूल विकल्प चयन के बाद नए अतिथि शिक्षक रखे जाएंगे। इनके मानदेय का भुगतान हर महीने के सात तारीख को कर दिया जाएगा।

भाजपा नेता हीरेंद्र बहादुर सिंह गिरफ्तार, जमानत के बाद हुए रिहा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में सत्ताधारी भाजपा के शासन काल में बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। बीजेपी के एक नेता को जेल भेज दिया गया है। मामला अटल बिहारी सुशासन संस्थान में कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद का बताया जा रहा है। यहां हुए हंगामे और गाली गलौच के बाद गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई है। बता दें, कि भाजपा कार्यसमिति सदस्य हीरेंद्र बहादुर सिंह को पुलिस ने जेल भेज दिया है। इस मामले के बाहर आते ही सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई हैं। हीरेंद्र बहादुर सिंह पर भाजपा के एक कार्यक्रम में हंगामा और गाली-गलौज करने का आरोप है। घटना शनिवार की बताई जा रही है। इस कार्यक्रम में भाजपा के कई दिग्गज नेतागण मौजूद थे। इसके बाद भी उन्होंने अभद्र भाषा का उपयोग कर हंगामा किया था।

भाजपा नेता हीरेंद्र बहादुर सिंह संस्थान में हो रहे कार्यक्रम में पहुंचकर हंगामा करने लगे थे। अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर टोकने के बाद भी नहीं रुके। तब सीएम के ओएसडी लोकेश शर्मा ने भी हीरेंद्र को रोकने की कोशिश की पर कोई असर नहीं हुई। हीरेंद्र ने बदसलूकी जारी रखी। तब लोकेश शर्मा के सहायक नायब तहसीलदार ने हीरेंद्र के खिलाफ कमला नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने हीरेंद्र बहादुर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जांच करने के लिए हीरेंद्र को नोटिस भेजा।

जिसके जवाब में उन्होंने थाने में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई। तब कार्रवाई आगे बढ़ी और रविवार को अदालत ने उन्हे जेल भेज दिया है। उन्हे जमानत के बाद रिहा कर दिया गया है।

चंबल की ड्रोन दीदी सुनीता और खुशबू को पीएम मोदी करेंगे सम्मानित

सिटी चीफ भोपाल।

ग्वालियर/ भोपाल। कभी कन्या भ्रूण हत्या के लिए बदनाम रहा चंबल अब बदल रहा है। यहां कभी बेटियों को अभिशाप माना जाता था, लेकिन आज यहां की बहू-बेटियां चंबल का नाम पूरे देश में रोशन कर रही है। चंबल के मुरैना जिले में रहने वालीं महिला किसान सुनीता शर्मा और खुशबू लोधी अपने हुनर से आधुनिक खेती के सपनों को साकार कर रही हैं। दोनो महिला किसानों के हुनर और जज्बे से पीएम नरेंद्र मोदी भी प्रभावित हुए हैं। इसका फल बहुत जल्द इन महिलाओं को मिलने वाला है। चंबल की दोनों ड्रोन वुमेन को पीएम नरेंद्र 15 अगस्त को दिल्ली के लालकिले से सम्मानित करेंगे।

इस तरह शुरू किया मिशन

मध्य प्रदेश के चंबल इलाके की इन दोनों महिला किसानों सुनीता शर्मा और खुशबू लोधी ने स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद अपना मिशन शुरू किया। ग्वालियर से 15 दिन की ट्रेनिंग लेकर ड्रोन दीदी का प्रमाण पत्र हासिल किया। खुशबू खुद की 40 बीघा जमीन के साथ आसपास के 15 से 20 गांवों के किसानों के खेतों में ड्रोन के जरिए कीटनाशक का छिड़काव करने जाती हैं। इससे इनकी आय में भी वृद्धि हुई है, वहीं किसानों को भी राहत मिल जाती है। इलाके के लोग इस महिला किसान को ड्रोन दीदी के नाम से बुलाते हैं।

बेटियां ड्रोन पायलट बन गईं

ड्रोन के जरिए स्व सहायता समूह की आय बढ़ाने का इनोवेशन करने वाली महिला किसान सुनीता शर्मा को 15 अगस्त के अवसर पर दिल्ली में प्रधानमंत्री के हाथों सम्मानित किया जाएगा।

किसान नेता सुनीता शर्मा ने बताया है कि चंबल में कभी बहन बेटियों को घर से बाहर नहीं भेजते थे, लेकिन आज यहां की बेटियां ड्रोन पायलट बन गई है और लाल किले से पीएम मोदी के द्वारा भी सम्मानित हो रही है। यहां की बेटियां अलग-अलग क्षेत्र में पूरे देश में नाम रोशन कर रही है यह काफी गर्व की बात है। चंबल की किसान महिला सुनीता शर्मा और खुशबू लोधी ने कभी नहीं सोचा होगा कि वह पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों सम्मानित होगी, लेकिन उन्होंने अपनी लगन और हुनर के जरिए यह कर दिखाया है।

सम्पादकीय

यह हमारा भारत है...यह बांग्लादेश नहीं हो सकता

भारत आत्मा से लोकतांत्रिक देश है। तख्तापलट या राष्ट्रध्यक्षों, प्रधानमंत्रियों की हत्या करने के संस्कार भारतीयों में नहीं हैं। आंदोलन भारत में भी होते रहे हैं, क्योंकि यह संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन आंदोलन भारत-विरोधी नहीं होते। भारत में भी राजनीतिक अस्थिरता के दौर रहे हैं, क्योंकि 1970 के दशक के बाद 'त्रिशंकु जनादेश' दिए गए हैं, लिहाजा बाहरी समर्थन से अथवा गठबंधन के आधार पर सरकारें बनी हैं। चौ. चरण सिंह, वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्रियों ने ऐसी आधी-अधूरी सरकारें चलाई हैं, लेकिन उनके खिलाफ बगावती उपद्रव कभी नहीं मचे।

पड़ोसी देश बांग्लादेश में तख्तापलट हुआ तो देश में भी कुछ लोगों की बांछें खिल गईं। राजनीति में मर्यादा के घटते स्तर की बानगी देखिए कि विपक्ष के दो नेताओं ने यहां तक कह दिया कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री आवास में जिस तरह लूट-खसोट हुई, वैसा ही दृश्य भारत में भी देखा जा सकता है। ये दोनों नेता कांग्रेस पार्टी के हैं। इनमें एक तो केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं और राजनीति का लंबा अनुभव रखते हैं। इनका नाम है सलमान खुर्शीद। उन्होंने कहा कि भारत में भले ऊपर-ऊपर सब कुछ सामान्य दिख रहा हो, लेकिन अंदर से कुछ सुलग रहा है। दूसरी तरफ, मध्यप्रदेश कांग्रेस के नेता सज्जन सिंह वर्मा ने धमकीभरे अंदाज में कहा कि एक दिन भारत के प्रधानमंत्री आवास पर भी लोग धावा बोल देंगे, ठीक उसी तरह जैसे बांग्लादेश में हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले श्रीलंका में हुआ था, अब बांग्लादेश में हुआ, अबकी भारत की बारी है। और भी कुछ विपक्षी नेता हैं, जिन्होंने ऐसे बयान दिए हैं। सवाल है कि क्या भारत में भी ऐसा हो सकता है या यह सत्ता से दूर होने की खिसियाहट में कांग्रेसी बस ख्याली पुलाव पका रहे हैं? दो दिन बाद हम भारत का स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। राष्ट्रध्वज तिरंगा अभी से घर-घर और हाथों में लहरा रहा है। आजादी को 77 साल बीत जाएंगे, लेकिन भारत का लोकतंत्र और उसकी संप्रभुता यथावत है। इधर कुछ गतल आवाजें उठ रही हैं कि भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते हैं! आंदोलन और बगावत की नौबत आ सकती है! कांग्रेस नेताओं ने दोनों देशों की परिस्थितियों की तुलना की है कि दोनों देशों में युवा असंतोष, आक्रोश चरम पर हैं। बेरोजगारी बहुत है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना ने 'तानाशाही फितरत' की थीं। उन्होंने विपक्ष का पूरी तरह दमन कर दिया था। ये नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'तानाशाह' करार देते हैं। उनका इस बार का चुनाव सवालिया है। उन्होंने भी विपक्षी नेताओं के पीछे सरकारी एजेंसियां लगा रखी हैं। विपक्षी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। इन समान स्थितियों के मद्देनजर भारत में भी आंदोलनात्मक उफान आ सकता है। दुर्भाग्य है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यह बयान सार्वजनिक मंच से दिया है कि मोदी जी शेख हसीना की सलाह ले लें कि देश छोड़ कर कैसे भागना है? यह बयान संवैधानिक मर्यादा और गरिमा का घोर अतिक्रमण है, क्योंकि देश के मौजूदा प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे भाव व्यक्त किए गए हैं। एक और उदाहरण है। लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान सपा सांसद मौलाना मोहिबुल्ला ने धमकीभरे लहजे में कहा कि कहीं ऐसा न हो कि मुसलमान सडकों पर उतर आएं! यह घोर असंसदीय टिप्पणी है, जिस पर स्पीकर ओम बिरला को तुरंत आपत्ति जतानी चाहिए थी और सत्ता पक्ष को भी विरोध दर्ज कराना चाहिए था। हम नहीं जानते कि सपा सांसद की उस टिप्पणी को लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज होने दिया गया अथवा रद्द कर दिया गया। ऐसे ही बयानों के आधार पर मुसलमानों को भडकाने, सुलगाने की कोशिशें जारी हैं। उन्हें तुरंत कुचल देना चाहिए। कुछ राजनीतिक दल भी 'भारत में मुस्लिम बगावत' का समर्थन कर रहे हैं, क्योंकि मुसलमान उनके वोट बैंक हैं। वे सभी मुगालते में हैं कि मोदी सरकार को इसी तरह ध्वस्त किया जा सकता है, लिहाजा वक्फ के नए नेरेटिव के आधार पर वे मुसलमानों को भडका, उकसा रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे फर्जी विचारकों ने भी भारत में 'अपशकुनी आशंकाओं' के प्रलाप जारी रखे हैं। इस तरह एक व्यापक मजहबी, सियासी, सामाजिक और वैचारिक षड्यंत्र रचा जा रहा है, लिहाजा हमने 15 अगस्त की याद दिलाई है। भारत आत्मा से लोकतांत्रिक देश है। तख्तापलट या राष्ट्रध्यक्षों, प्रधानमंत्रियों की हत्या करने के संस्कार भारतीयों में नहीं हैं। आंदोलन भारत में भी होते रहे हैं, क्योंकि यह संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन आंदोलन भारत-विरोधी नहीं होते। भारत में भी राजनीतिक अस्थिरता के दौर रहे हैं, क्योंकि 1970 के दशक के बाद 'त्रिशंकु जनादेश' दिए गए हैं, लिहाजा बाहरी समर्थन से अथवा गठबंधन के आधार पर सरकारें बनी हैं। चौ. चरण सिंह, वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्रियों ने ऐसी आधी-अधूरी सरकारें चलाई हैं, लेकिन उनके खिलाफ बगावती उपद्रव कभी नहीं मचे। मार-काट अथवा प्रधानमंत्री के इस्तीफे या सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों को जबरन पद छोड़ने को विवश कभी नहीं किया गया, क्योंकि भारत आत्मा से, समग्रता में, लोकतांत्रिक देश है।

पड़ोसी मुल्क में अराजकता का कौन है जिम्मेदार?

सत्ताच्युत शेख हसीना पर निरंतर सत्ता के दुरुपयोग और अधिनायकवाद के आरोप लगते रहे हैं, इसीलिए आज बांग्लादेश में दूसरी आजादी का नारा गूंज रहा है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या पहली आजादी जो 1971 में मिली वह किसी काम की नहीं थी। आज के घटनाक्रम से तो यही लगता है।

स्वतंत्र बांग्लादेश के निर्माता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा को जब ढाका में 6 अगस्त 2024 को बहुत ही अपमानजनक ढंग से गिराया जा रहा था तो दुनियाभर के स्वतंत्रता और लोकतंत्रकामियों को फ्रांस की क्रांति की एक प्रमुख नेता मदाम रोलां का वह अंतिम और युगांतरकारी कथन याद आ रहा होगा जिसमें उन्होंने कहा था कि 'हे आजादी तेरे नाम पर क्या अपराध हो रहे हैं'। मदाम रोलां को उन्हीं के क्रांतिकारी जिरौंदिन्स साथियों ने 8 नवंबर 1793 को गिलोटिन पर चढ़ाकर मार डाला था। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने तथा अपनी महान संस्कृति के चलते भारत की तुलना फ्रांस और बाग्लादेश की क्रांतियों से तो हूबहू नहीं की जा सकती फिर भी वैचारिक रूप से नेहरू जैसे भारत की आजादी के दीवानों को लेकर भारत में भी वैचारिक प्रतिक्रांति हो ही रही है।

देखा जाए तो बांग्लादेश में ताजा राजनीतिक घटनाक्रम, विशेष रूप से विभिन्न गुटों के बीच आंतरिक सत्ता संघर्ष तथा फ्रांसीसी क्रांति के बाद की घटनाओं में पूर्णतः तो नहीं हैं मगर कुछ समानताएं अवश्य हैं। मसलन फ्रांस की क्रांति के बाद के हालात की तरह, बांग्लादेश में भी विभिन्न गुटों के बीच राजनीतिक अशांति और सत्ता संघर्ष चलता रहा है। बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति संग्राम और उसके बाद उग्र और हिंसक नेतृत्व परिवर्तन के संघर्ष में मुजीबुर्रहमान की सपरिवार हत्या और सत्ता संघर्ष का दौर चला जो कभी-कभी फ्रांसीसी क्रांति और उसके बाद देखी गई अंदरूनी लड़ाई से मिलते-जुलते हैं। फ्रांसीसी क्रांति के बाद विचारधारा में आमूलचूल परिवर्तन और राज्य के कथित दुश्मनों के बाद के शुद्धिकरण के नाम पर दमन का दौर चला। उसी प्रकार बांग्लादेश में भी राजनीतिक नेता और दल तथा फौज कई बार सत्ता के लिए तीव्र संघर्ष में लगे रहे, जिसके कारण सत्ताधारियों पर भ्रष्टाचार, अधिनायकवाद और असहमति के दमन के आरोप लगे। निसंदेह आजादी के बाद बाग्लादेश में भी राजनीतिक प्रतिद्वन्दियों के दमन की प्रवृत्ति रही है।

सत्ताच्युत शेख हसीना पर भी निरन्तर सत्ता के दुरुपयोग और अधिनायकवाद के आरोप लगते रहे हैं, इसीलिए आज बांग्लादेश में दूसरी आजादी का नारा गूंज रहा है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या पहली आजादी जो 1971 में मिली वह किसी काम की नहीं थी। आज के घटनाक्रम से तो यही लगता है।

फ्रांसीसी क्रांति के बाद की अवधि की तरह बांग्लादेश में हाल की राजनीतिक घटनाओं ने भी समाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है, जिसमें राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक अशांति शामिल है। दोनों मामलों में प्रारंभिक क्रांतिकारी आंदोलनों के आदर्शवादी लक्ष्य कभी-कभी सत्ता बनाए रखने की जटिलताओं और संघर्षों से प्रभावित हुए हैं। इन समानताओं के बावजूद फ्रांसीसी क्रांति एक गहन और दूरगामी उथल-पुथल थी जिसने नाटकीय रूप से फ्रांस की संपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक संरचना को नया रूप दिया और इसके व्यापक अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ थे। जबकि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ या अभी तक हो रहा है वह जनक्रांति से ज्यादा भीड़ क्रांति नजर आ रही है। भीड़ क्रांति इसलिए कि भीड़ का कोई चरित्र और नेता नहीं होता है, इसलिए वह अराजक होती है जैसा कि बांग्लादेश में नजर आ रहा है। क्रांति सत्ता पलटने के लिए हुआ करती हैं न कि लूटमार करने के लिए। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री निवास पर हुई लूट सबने देखी। बेगुनाह हिन्दुओं को मारने और उनकी सम्पत्तियों को आग के हवाले किए जाने को आप कैसे आजादी की दूसरी लड़ाई मानेंगे?

शेख हसीना के 15 सालों के शासन की कमियों का ही परिणाम है कि आज बांग्लादेश में 'दूसरी आजादी' का नारा काफी बुलंदी से गूंज रहा है। उन्हें अपनी जान बचाने के लिए उस देश से भागना पड़ा जिस देश को उनके पिता ने जन्म दिया और जिस देश पर उन्होंने इतने सालों तक एकछत्र राज किया।

चलो माना कि शेख हसीना को उनके कुशासन की सजा मिली। शेख मुजीब पर भी एक पार्टी शासन और अधिनायकवाद का आरोप लगता था। शायद इसीलिए सैनिक विद्रोह में उनकी सपरिवार हत्या हो गई। लेकिन एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के निर्माता और बांग्लादेश की आजादी के इतिहास की गवाह के रूप में ढाका के तोशखाना में मुजीब की विशालकाय प्रतिमा विद्रोहों के बावजूद खड़ी थी।

आखिर बांग्लादेश की आजादी की इस धरोहर को क्यों मिटा दिया गया? यही नहीं आजादी का संग्रहालय भी जला दिया गया। क्या बांग्लादेश के लोग सचमुच अपनी आजादी का इतिहास भुलाना चाहते हैं? लगता नहीं कि वह राष्ट्र इतना कृतघ्न होगा जो कि पाकिस्तान के दमन, अत्याचार और शेख मुजीबुर्रहमान के आवाहन पर मुक्तिवाहिनी के स्वाधीनता संघर्ष को भूल जाए। दरअसल, भूल जाने और लोगों को भूलने पर विवश करने की आदत सत्ताकामी राजनीतिज्ञों और स्वार्थी तत्वों की होती है।

इतिहास के पन्ने टटोलें तो आप देखेंगे कि 1966 में, शेख मुजीब ने छह सूत्री आंदोलन प्रस्तुत किया, जिसमें पाकिस्तान के भीतर पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग की गई थी। यह योजना बंगाली राष्ट्रवादी आंदोलन की आधारशिला बन गई और स्वायत्तता के लिए समर्थन जुटाने में सहायक रही। शेख मुजीबुर्रहमान को अपनी राजनीतिक सक्रियता और अपने देश की आजादी की खातिर कई बार गिरफ्तारियां और कारावास का सामना करना पड़ा। उन्हें अयूब खान के शासन में और फिर 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सरकार द्वारा हिरासत में लिया गया था।

1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान, शेख मुजीब को पाकिस्तानी अधिकारियों ने कैद कर लिया था। उस समय उन्हें जुल्फिकार अली भुट्टो की तरह मारा भी जा सकता था। स्वतंत्रता के लिए संघर्ष में बंगाली आबादी को एकजुट करने में उनका नेतृत्व और दूरदर्शिता महत्वपूर्ण थी। उन्हें स्वतंत्रता के संघर्ष के प्रतीक और राष्ट्र के शुरुआती विकास के प्रमुख वास्तुकार के रूप में याद किया जाता है।

जनवरी 1972 में अपनी रिहाई के बाद, शेख मुजीबुर्रहमान एक स्वतंत्र बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति और बाद में इसके प्रधानमंत्री बने, जिन्होंने राष्ट्र निर्माण के शुरुआती वर्षों में इस नवजात राष्ट्र का मार्गदर्शन किया और विकास के ढांचे की बुनियाद रखी। उन्होंने बांग्लादेश के पहले संविधान का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने इसके लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों की नींव रखी। शासन और राष्ट्रीय विकास के लिए रूपरेखा स्थापित करने में उनका नेतृत्व महत्वपूर्ण था।

उनकी सरकार ने युद्धग्रस्त देश के पुनर्निर्माण और भूमि सुधार और शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में सुधार के प्रयासों सहित सामाजिक सुधारों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया। एक स्वतंत्र और सम्प्रभु राष्ट्र के निर्माण में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बंगबंन्धु की प्रतिमा को जिस अनादर और नफरत के साथ जमींदोज किया गया उसे बांग्लादेश की आने वाली पीढ़ियां शायद ही सहन कर पायेंगी।

अगस्त का महीना भारत की आजादी का महीना है। इसी महीने 9 अगस्त को गांधी जी ने 'करो या मरो' का नारा देकर 'अंग्रेजो भारत छोड़ो'आंदोलन की शुरुआत की थी जिसमें लाखों लोगों ने गिरफ्तारियां दीं और ब्रिटिश राज का दमन सहा। कांग्रेसियों में गांधीजी के बाद सबसे ज्यादा जेल जवाहर लाल नेहरू को हुई थी। नेहरू निसन्देह आधुनिक भारत के निर्माता थे। फिर भी उन्हें सबसे बड़े खलनायक के तौर पर पेश किया जा रहा है। क्या यह वैचारिक प्रतिक्रांति या हिंसा नहीं?

क्या भारत में भी हो सकती है बांग्लादेश जैसी स्थिति ? आखिर क्या है उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान के मायने

देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जोधपुर हाईकोर्ट में जजों और वकीलों के बीच में जब यह कहा कि देश में कुछ लोग साजिश के तहत एक नैरेटिव चला रहे हैं कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में जो घटनाक्रम हुआ है, वैसा ही भारत में घटित हो सकता है। धनखड़ ने आगाह किया कि ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। दरअसल, उनका इशारा पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की ओर था, जिन्होंने एक बयान दिया कि ऊपर सब सामान दिख सकता है, लेकिन बांग्लादेश जैसी घटना भारत में हो सकती है। कुछ अन्य विपक्षी नेता भी ऐसे विचार व्यक्त कर चुके हैं। उप राष्ट्रपति जैसे उच्च पद पर बैठे व्यक्ति का इस गंभीर विषय पर बोलना और चिंता जताना वाकई गंभीर विषय है। देश में सबकुछ सामान्य रूप से चल रहा है, इसमें कोई भी दो राय नहीं है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बीच-बीच में विपक्ष की ओर से ऐसे तत्वों को जरूर हवा दी जा रही है, जिन्हें लेकर चिंता उभरती है। वर्ष 2019 में जब नागरिक संशोधन कानून (सीएए) बना तो दिल्ली के शाहीन बाग में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़क रोककर बैठ गए थे। देश के अन्य हिस्सों में भी कई शाहीन बाग खड़े किए गए, जबकि केंद्र सरकार ने पूरी तरह स्पष्ट किया था कि सीएए कानून भारत के किसी नागरिक को प्रभावित नहीं करता है।

किसी भारतीय की नागरिकता नहीं जा रही थी। इस आंदोलन को विपक्ष की तरफ से खूब हवा दी गई। उस समय तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब भारत में थे तो दिल्ली के कुछ इलाकों में दंगा तक भड़क गया था, जिसमें कई लोगों की जान गई। देशद्रोह की धाराओं में कई लोग आज भी जेल में बंद हैं। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इशारा ऐसे ही लोगों की ओर है। नरेंद्र मोदी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में कृषि सुधारों को लेकर तीन कृषि कानून लेकर आई थी, जिसे लेकर देश के कुछ भागों में किसानों का आंदोलन खड़ा किया गया। खासकर पंजाब के किसान दिल्ली बॉर्डर पर आकर बैठ गए। सालभर दिल्ली के आसपास कई डेरे डाले रखे। दिल्ली में लाल किले के भीतर तक उपद्रवी पहुंच गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों कृषि कानून वापस ले लिए थे, लेकिन आज भी पंजाब में किसान किसी न किसी मुद्दे को लेकर कभी रेल तो कभी हाईवे रोक देते हैं, कभी टोल व्यवस्था को ध्वस्त कर देते हैं। पंजाब में सबकुछ ठीक चल रहा है, यह कहना मुश्किल है। लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति यह है कि पंजाब में चल रहे रोड प्रोजेक्ट्स को लेकर केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को चिट्ठी लिखकर स्पष्ट कह दिया है कि यदि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) अधिकारियों और ठेकेदारों को सुरक्षा नहीं दी गई तो 14,288 करोड़ रुपए के 293 किलोमीटर के रोड प्रोजेक्ट को बंद करना पड़ेगा।

संकट की छाया के कारण राजनीतिज्ञों में दूरदर्शिता जरूरी; नागरिकों के दर्द का सवाल सबसे अहम

बहुत पुरानी बात नहीं है, जब बांग्लादेश को सफलता की एक शानदार कहानी के रूप में पेश किया गया था। राष्ट्र की 50वीं वर्षगांठ पर राजनीतिक पंडितों ने इतिहास, भूगोल और परिस्थितिगत चुनौतियों वाले राष्ट्र में लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का जश्न मनाया। भारत में इस बात पर बहस चल रही थी कि बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय भारत से अधिक है, जिस पर हमारे देश में नाराजगी भरी टिप्पणियां सामने आती थीं। लेकिन हाल में बांग्लादेश इससे इतर गलत कारणों से सुर्खियों में आया, जो थे- भ्रष्टाचार, कोटा राजनीति, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और असमानता।

लोकतंत्र में सीखने की अवस्था एक तानाशाही शासन के नैरेटिव को समझने की सीमाओं को दर्शाती है। बांग्लादेश में मुद्रास्फीति 9.72 फीसदी के साथ दहाई अंकों के करीब पहुंच गई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। करीब 45 दिनों के आंदोलन के दौरान 400 से यादा लोगों की मौत, शासन में परिवर्तन और शेख हसीना के घर का सामान लेकर भागते प्रदर्शनकारियों की तस्वीरों ने बांग्लादेश की ब्रांड छवि को ध्वस्त कर दिया। बांग्लादेश में अस्थिरता भारत के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि इससे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा प्रभावित तो हुई ही है, सीमापार आतंकवाद के साथ घुसपैठ व शरणार्थियों की समस्या में भी वृद्धि हो सकती है।

ढाका से 7,900 किलोमीटर से भी यादा दूरी पर बसा है ब्रिटेन का खूबसूरत शहर डरहम, जहां व्यवसायों को तबाह करने के लिए कारों का इस्तेमाल किया गया। पूरे ब्रिटेन में हिंसक प्रदर्शन और नफरती अपराध ने बीस अन्य शहरों को हिलाकर रख दिया, जिससे 2011 के बाद से सबसे बड़ा कानून-व्यवस्था का संकट पैदा हो गया। बांग्लादेश के विपरीत उन्नत अर्थव्यवस्था माने जाने वाले ब्रिटेन में प्रतिस्पर्धी राजनीति मजबूत है। ऐतिहासिक बहुमत के साथ सत्ता में आए कीर स्टार्मर की सरकार को मुश्किल से छह हफ्ते बाद ही गृहयुद्ध का सामना करना पड़ रहा है। अराजकता का एक दिलचस्प पहलू एक्स (पहले ट्वीटर) के मालिक एलन मस्क और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के बीच टकराव है। एलन मस्क ने ट्वीट किया था कि गृहयुद्ध अनिवार्य है, जबकि स्टार्मर ने प्रदर्शन को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बढ़ावा देने वालों को चेतावनी दी थी। विरोध प्रदर्शन के पीछे यह अवधारणा है कि प्रवासी रोजगार के अवसरों को हड़प रहे हैं और स्थानीय लोगों की अनदेखी हो रही है। विडंबना देखिए कि जिस ब्रेग्जिट को समाधान बताया गया था, उसने व्यापार, निवेश और विकास के नुकसान के बाद स्थितियों को और बदतर बना दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये गुस्से को भड़काया जा रहा है। गलत सूचना ने समाज को बांट दिया है। दुखद है कि जो लोग अपने हालात बदलने में असमर्थ हैं, उन्हें राजनीतिक दलों द्वारा अपनी ही तरह के अन्य कमजोर लोगों के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए भड़काया जा रहा है। आम तौर पर प्रासंगिकता और सत्ता के आकांक्षी लोग 'एक राय को 'सार्वभौमिक राय के रूप में पेश करने में प्रेरक होते हैं और शोध से पता चलता है कि युद्ध हो या सामाजिक संघर्ष,?दोनों में समीकरण कुछ इस तरह बन जाते हैं, जो ध्रुवीकरण और गलत सूचनाओं को बढ़ावा देते हैं।

पहली नजर में ब्रिटेन और बांग्लादेश दो अलग-अलग संस्कृतियां, अर्थव्यवस्थाएं और लोकतंत्र हैं। लेकिन दोनों की साझा समस्या युवा बेरोजगारी है। ब्रिटेन में 18 से 24 वर्ष के युवाओं के बीच बेरोजगारी दर 12 फीसदी है और पांच लाख से यादा लोग बेरोजगार हैं। बांग्लादेश में 3.2 करोड़ से यादा युवा बेरोजगार या शिक्षा से वंचित हैं। 1970 के दशक में, येल के प्रोफेसर और लिंडन जॉनसन के सलाहकार आर्थर ओकुन ने दुख सूचकांक की अवधारणा पेश की थी। सूचकांक की गणना वार्षिक बेरोजगारी दर और वार्षिक मुद्रास्फीति दर को जोड़कर की जाती है। दुख का बढ़ना आंदोलन और अराजकता को बढ़ावा देने वाला सामान्य कारक है। आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं में दुख का एक नया नाम है, जीवन-यापन की लागत का संकट। और यह पूरे ब्रिटेन में स्पष्ट है, जहां किश्तों का भुगतान करने में असमर्थ लोगों के घरों पर बैंकों द्वारा कब्जा करने की घटनाएं पांच साल के उचतम स्तर पर हैं।

यह सिर्फ बांग्लादेश और ब्रिटेन की बात नहीं है, बल्कि इस दुख ने दुनिया भर में राजनीतिक लामबंदी को बढ़ावा दिया है। कार्नेगी एंडोमेंट के ग्लोबल प्रोटेस्ट ट्रैकर से पता चलता है कि 2017 से अब तक 258 देशों में आर्थिक मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बांग्लादेश में, कई लोगों की कीमत पर कुछ लोगों के अधिकारों के खिलाफ यह दुख, गुस्से में बदल गया, जबकि ब्रिटेन में यह नफरती हिंसा में बदल गया है, जो नस्ल और संस्कृति के मामले में बाहरी माने जाने वाले लोगों को निशाना बनाता है। असमानता से उपेक्षा की भावना बढ़ जाती है, जो अवसरों की कमी से और बदतर हो जाती है, जिससे आय का अंतर भी बढ़ जाता है।

असमानता एक जटिल आर्थिक मुद्दा है, जो राजनीतिक आक्रोश को कई गुना बढ़ाने वाला कारक है। वैश्विक स्तर पर ट्रैक किए गए ग्रेट गैट्सबी कर्व से पता चलता है कि समाज के समृद्ध तबके के पास धन इकट्ठा होने से गतिशीलता अवरुद्ध होती है। जनरेटिव एआई की विघटनकारी क्षमता पहले से ही काम कर रही है और अब तो आईएमएफ का भी अनुमान है कि वैश्विक रोजगार का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण खत्म हुआ है। डिजिटलाइजेशन ने मानव रोजगार को कम कर दिया है, खासकर बैंकिंग और खुदरा क्षेत्र में। जलवायु, प्रौद्योगिकी एवं जनसांख्यिकी जैसे व्यवधानों की तिकड़ी अनिश्चितता बढ़ाती है। जैसे-जैसे व्यवसाय बंद होने से रोजगार कम होते हैं, बेरोजगार लोगों को फिर से कौशल प्राप्त करने और रोजगार तलाशने में मदद की जरूरत होती है। प्रभावित क्षेत्रों और व्यक्तियों को आय सहायता प्रदान करने के लिए परिसंपत्तियों की बिक्री या उच करों के माध्यम से संसाधन जुटाने की भी आवश्यकता है। इस संकट की छाया के कारण राजनीतिज्ञों में दूरदर्शिता की आवश्यकता है। राजनीति चुनावी चक्रों से जुड़ी है। सवाल यह है कि देश नागरिकों के दर्द को कम करने के लिए कितने तैयार हैं।

करैरा पुलिस की बड़ी कार्यवाही

हथियारों का जखीरा, हथियार बनाने वाली सामग्री के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी, शिवपुरी जिले की करैरा थाना पुलिस ने अवैध हथियार के साथ साथ अवैध हथियारों को बनाने बाली सामग्री के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। वहीँ एक आरोपी भागने में कामयाव रहा हैं। आरोपी ठिकाने बदल बदल कर अवैध हथियार बनाने की फैक्टरी को संचालित करते थे। जहां कुछ हथियार बनाकर बेचने के बाद अपना ठिकाना बदल लेते थे। लेकिन इस बार ठिकाना बदलने के दौरान आरोपी पुलिस की पकड़ में आ गए। करैरा थाना प्रभारी विनोद छावई ने बताया कि सूचना मिली थी। कि पिछोर से करैरा की ओर दो बदमाश अवैध हथियार के साथ बाइक पर सवार होकर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही बड़ौरा चौराहे पर एक बाइक को रोकने का प्रयास किया था। लेकिन बाइक सवार बाइक को भगा ले गए। इसके बाद बाइक चालक उतर कर भाग खड़ा हुआ था लेकिन पुलिस ने बाइक के पीछे बैठे बदमाश को पकड़ लिया था। बदमाश के पास एक बोरी बरामद हुई थी। जिसमें दो देशी कट्टे और दो अधिया बंदूके पुलिस ने बरामद की थी। इसके अतिरिक्त बोरे में हथियार बनाने के लिए कट्टे की नाल वनाने वाली लोहे की स्टेरिंग पाईप, स्परिंग आदि सामग्री मिली थी। पकडे गए आरोपी ने अपना नाम सतेन्द्र लोधी (20) निवासी ग्राम कमालपुरा थाना पिछोर और भागने वाले आरोपी का नाम अनिल लोधी (21) निवासी भितरगवा थाना पिछोर बताया था। दोनों आरोपी करैरा क्षेत्र में अवैध हथियार की फैक्टरी से हथियार बनाने के लिए आ रहे थे। पुलिस ने 4 अवैध हथियारों के साथ हथियार बनाने की कुल 1 लाख49 हजार 700 रुपये की सामग्री पकड़ी हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया हैं। वहीं पुलिस पकडे गए आरोपियों से हथियारों के सम्बंध में पूछताछ कर रही हैं।

देवस्थान से पीपल का पेड़ काटा गया

क्षेत्रीय लोगों ने की कोलारस थाने में शिकायत

बोले- आहत हुईं हैं धार्मिक भावनाएं

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी, शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र के पड़ोरा फोरलेन हाइवे किनारे वेदा होटल के पास देवस्थान पर लगे पीपल के पेड़ को कुछ पास के ही गुरुद्वारा प्रबंधन के लोगों के द्वारा काट दिया गया। पीपल के पेड़ को काटते से मौके पर कुछ लोगों के द्वारा रोका भी गया था लेकिन लोग नहीं माने। इसकी शिकायत लोगों ने कोलारस थाने में पहुंचकर कराई है। बता दें कि पड़ोरा के रहने वाले यशपाल रावत ने बताया कि पड़ोरा वेदा होटल के पास वर्षों पुराना देवस्थान हैं। इस स्थान से क्षेत्रीय लोगों की आस्था जुडी हुई हैं। उस स्थान पर करीब 8 साल पुराना पीपल का पेड़ लगा हुआ था जिसे कुछ सिख समुदाय के लोगों द्वारा काट दिया गया हैं। मौके पर उन्हें पेड़ काटने से रोका भी गया था। इसके बावजूद पीपल के पेड़ को काटकर गुरुद्वारा ले जाया गया। यशपाल रावत का कहना हैं देवस्थान के पास की भूमि सरकारी भूमि हैं। जिसका फर्जी तरीके से पट्टा करा लिया गया और अब देवस्थान को हटाने की साजिश रची जा रहे हैं। इस घटना से क्षेत्रीय लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इसी सन्दर्भ में सभी कोलारस थाना पहुंचे हैं और कार्यवाही की मांग की हैं।

कटनी में उल्टी-दस्त की बीमारी का कहर

स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन ने लिया मोर्चा, विधायक और जिला प्रशासन की तत्परता से सुधार

कटनी, कटनी नगरीय क्षेत्र अमीरगंज पडरवारा में उल्टी -दस्त की बीमारी का पता चलने पर विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल और जिला प्रशासन की ओर से एस.डी.एम प्रदीप कुमार मिश्रा और जिला अस्पताल का स्वास्थ्य अमला ने घरों और मुहल्ले के जल स्त्रोंतों में क्लोरोनाईजेशन कराया और ओ.आर.एस के पैकिट वितरित कराये। इस दौरान निगमाध्यक्ष मनीष पाठक, स्थानीय पार्षद और नायब तहसीलदार आकाशदीप नामदेव चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ भी मौके पर मौजूद रहा। स्वस्थ्य विभाग का अमला प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से भेंट की और समझाईश दी कि घबडायें नहीं, सावधानी बरतें साफ और स्वच्छ पानी पिएं, चिकित्सकों के दल द्वारा बताये जा रहे सुझावों पर अमल करें। सभी लोग जल्द ही स्वस्थ्य हो जाएगें। उधर कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर डॉक्टर एस.पी सोनी के नेतृत्व मे स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे एस.डीएम की मौजूदगी में स्वास्थ्य अमले ने घर-घर पहुंचकर लोगों को दवाईयां और उपचार प्रदान किया। स्वास्थ्य विभाग के अमले ने वार्डवासियों को साफ- सफाई और शुद्ध और उबालकर पानी पीने की सलाह देते हुए शौच के बाद और भोजन के पहले साबुन से अच्छी तरह से हांथ धोने की समझाईश दी। जिला अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिला चिकित्सालय मे अमीरगंज क्षेत्र के 9 लोगों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। जबकि 20 अन्य लोगों को वार्ड और मोहल्ले मे ही चिकित्सकों के दल द्वारा औषधियां मुहैया कराई गई है और बचाव के तौर -तरीके भी बताये गए है। सभी के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है, चिंता की कोई बात नहीं है। इसके अलावा स्थानीय तौर पर मेडिकल प्रेक्टिसनरों के पास भी उल्टी-दस्त से प्रारंभिक उपचार से संबंधित दवाईयां, ओआरएस के पैकट उपलब्ध कराये गए है। जिला चिकित्सालय में उपचाररत सभी उल्टी ङ्क दस्त के प्रभावितों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होने की जानकारी स्वास्थ्य अधिकारी ने दी है।

तानसेन नगरी के शिक्षा प्रवर्तक बुकलेट का हुआ विमोचन

डाइट ने जिले के उत्कृष्ट शिक्षकों के सम्मान में किया है बुकलेट का प्रकाशन

जिला पंचायत सीईओ श्री विवेक कुमार एवं अन्य अधिकारियों ने किया विमोचन

ग्वालियर बच्चों को गुणवत्तायुक्त एवं नए-नए तरीकों से शिक्षा प्रदान कर रहे जिले के उत्कृष्ट शिक्षकों के सम्मान में डाइट (जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान) द्वारा तानसेन नगरी के शिक्षा प्रवर्तक के नाम से एक बुकलेट तैयार कराई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार व श्री टी एन सिंह एवं संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में इस बुकलेट का विमोचन किया। इस अवसर पर प्राचार्य डाइट श्री सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, प्रशिक्षण प्रभारी डाइट श्रीमति रजनी झा व पीपल संस्था की प्रतिनिधि श्रीमती रश्मी मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे । ग्वालियर डाइट द्वारा उत्कृष्ट शिक्षकों के सम्मान में गत वर्ष भी बुकलेट प्रकाशित की गई थी, जिसमें लगभग 35 शिक्षकों को इस बुकलेट में स्थान दिया गया था। इसी तरह इस साल डाइट ने अपने माध्यमिक शिक्षकों के सम्मान में बुकलेट का दूसरा संस्करण प्रकाशित किया है। इस बुकलेट को बनाने में पीपल संस्था से रश्मि मिश्रा ने विशेष सहयोग प्रदान किया है। जिले के जिन उत्कृष्ट शिक्षकों को तानसेन नगरी के शिक्षा प्रवर्तक बुकलेट के दूसरे संस्करण में स्थान दिया गया है, उनमें डीपीसी श्री रविन्द्र सिंह तोमर, एपीसी अकादमिक श्री संजीव मोर, सदस्य राज्य स्त्रोत समूह डॉ. एस बी ओझा, श्री कमल सिंह लोधी, बीएसी श्रीमती अनुपमा जुनेजा, माध्यमिक शिक्षक श्री लक्ष्मीकांत श्रीवास्तव, श्रीमती मीनू शुक्ला, श्री प्रमोद कुमार शर्मा, श्री अभिषेक शुक्ला, सीएसी घाटीगाँव श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती रेखा दहमीवाल व श्री प्रदीप कुमार यादव शामिल हैं।

विकास खण्ड स्तरीय राइफल शूटिंग स्पर्धा सम्पन्न

उज्जैन खाचरौद शालेय क्रीडा प्रतियोगिता के अंतर्गत खंड स्तरीय 10 मीटर राइफल शूटिंग ओपन साइट स्पर्धा विकास खंड स्तरीय स्पर्धा ,स्पर्धा संयोजक श्री धन्ना लाल जी चौधरी एवं चयनकर्ता श्री सचिन संत के सानिध्य मेंकेशव विद्यापीठ चापानेर में आयोजित की गई। जिसमे छात्र यशराज सिंह का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।इस अवसर पर संस्था संस्थापक श्री शैलेंद्र सिंह जी श्री कमलेश धाकड़ श्री कैलाश जी सालित्रा , प्रभारी प्राचार्य श्री उमेश जी पाटीदार, शिक्षक श्री बद्रीलाल जी सालित्रा, कमलेश जी भंडारी श्याम जी धाकड़ योगेंद्र सिंह डोडिया, आशुतोष धाकड, आदित्य सिंह, श्रीमती अनीता सालित्रा, सुश्री अंजलि डोडिया, अलीशा चुंडावत, प्रतीक्षा डोडिया, बिंदु बाला धाकड़, निधि डोडिया सभी ने हर्ष व्यक्त करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की ।

भगवान पशुपतिनाथ की पालकी यात्रा के पीछे-पीछे नगर पालिका ने की बेहतरीन साफ सफाई की व्यवस्था

मन्दसौर श्रावण माह के चतुर्थ सोमवार को भगवान पशुपतिनाथ की पालकी यात्रा भव्य तरीके से निकाली गई। जिन-जिन रास्तों से पालकी यात्रा गुजरी, यात्रा गुजरने की पश्चात नगर पालिका ने पहली बार पालकी के पीछे-पीछे बेहतरीन साफ सफाई की व्यवस्था की है। नगर पालिका द्वारा किया गया यह कार्य प्रशंसनीय है। इसके कारण सभी मार्ग साफ एवं स्वच्छ दिख रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने नगर पालिका के कार्यों की प्रशंसा की है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा विशाल साईकिल रैली निकल गई

नर्मदापुरम

शासन के निर्देशासुनार 9 अगस्त से 15 अगस्त 2024 की अवधि में हर घर तिरंगा अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है, कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर इस अभियान का मुख्य उद्देश्य देशवासियों में तिरंगा के बारे में जागरूकता उत्पन्न कर देश भक्ति की भावना जागृत करना है। अभियान के तहत नगर परिषद बनखेडी द्वारा 12 अगस्त 2024 को साइकिल रैली का आयो?जन किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत नगर कार्यालय नगर परिषद बनखेड़ी द्वारा 12 अगस्त सोमवार को स?कूली छात्र-छात्राओं द्वारा हर घर तिरंगा अभियान 2024 के तहत विशाल साईकिल रैली निकल गई। रैली नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए देशभक्ति के नारे लगाते हुए कार्यालय नगर परिषद बनखेड़ी तक निकाली गई। रैली में शासकीय कन्या शाला, शासकीय सीएम राइस स्कूल, लाल बहादुर शास्त्री हाई स्कूल के छात्र-छात्राएं पीटी शिक्षक कलीराम अहिरवार, बरेलाल अमोल, पवन श्रीवास्तव, हिमांशु श्रीवास्तव प्राचार्य लाल बहादुर शास्त्री हाई स्कूल, देवेंद्र ऊरहा ब्लॉक खेल समन्वयक, हरीश मालानी नगर परिषद अध्यक्ष, अविनेश पटेल पार्षद प्रतिनिधि, संतोष रघुवंशी मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं नगर परिषद बनखेड़ी कर्मचारी अरविन्द सराठे, राजेश उरहा, वीरेन्द्र पाटकर, सौरभ पटेल, पंकज बाथरे, रंजीत गज्जाम, अजय कुशवाहा, इरशाद खान एवं समस्त अधिकारी कर्मचारी अभियान में सम्मिलित हुए।

चिकित्सक एवं नर्सेस संवेदनशील होकर सेवा भावना के साथ कार्य करें- कलेक्टर सुश्री बाफना

शाजापुर

चिकित्सक एवं नर्सेस संवेदनशील होकर सेवा भावना के साथ कार्य करें। यह बात कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज मातृ-शिशु चिकित्सालय में सेवा देने वाले चिकित्सकों एवं नर्सेस की बैठक लेकर कही। कलेक्टर सुश्री बाफना ने कहा कि माना कि चिकित्सकों एवं अन्य स्टॉफ पर काम के कारण बोझ अधिक रहता है, किन्तु उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिये कि आने वाला मरीज एवं उसके परिजन तनाव में रहते हैं, इसलिये चिकित्सक एवं स्टॉफ संवेदनशीलता के साथ अच्छा व्यवहार करें और मरीजों का उपचार शुरू करें। चिकित्सकों से कलेक्टर ने अपेक्षा की कि वे अपनी ड्यूटी समय पर करते हुए मरीजों का समुचित उपचार करेंगे और मरीजों को रेफर नहीं करेंगे। नए भवन में पर्याप्त जगह है, सबको काम करने में आसानी होगी। चिकित्सक रात्री ड्यूटी एवं कॉल ड्यूटी समय पर दें। मेटरनल डेथ का पूरा हिसाब रखें। केस सीट सही तरीके से लिखें। कलेक्टर ने ऑन कॉल ड्यूटी पर बुलाए जाने वाले चिकित्सक को कॉल करने का समय एवं आने का समय सीट पर दर्ज करने के निर्देश दिये। सिविल सर्जन डॉ. एमके जोशी को कलेक्टर ने निर्देश दिये कि अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रखें। पार्किंग के लिए बताए गए नए स्थल पर वाहनों को खड़ा कराएं। कलेक्टर ने सिविल सर्जन से कहा कि बैठक में अनुपस्थित रहने वाले चिकित्सक को नोटिस दें। साथ ही कलेक्टर ने सिविल सर्जन से कहा कि चिकित्सालय के नए भवन में मरीजों एवं परिजनों को उनकी समस्याओं से संबंधित शिकायत करने के लिए नोडल अधिकारी, सिविल सर्जन एवं कलेक्टर का नम्बर प्रदर्शित करें। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. अजय साल्विया, नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री राजकुमार हलदर, सहायक प्रबंधक सुश्री नेहा सांवले सहित चिकित्सक एवं नर्सेस उपस्थित थी।

किसान उत्पादक संगठन एवं कृषि अधोसंरचना निधि अन्तर्गत जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक तथा जागरूकता कैम्प का आयोजन किया गया

सीधी

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में नाबार्ड एवं कृषि विभाग द्वारा किसान उत्पादक संगठन एवं कृषि अधोसंरचना निधि योजनान्तर्गत जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर द्वारा एफपीओ के क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाईयों के बारे में पूछने पर एफपीओ के प्रतिनिधियों ने बैंक से समय पर ऋण न मिलने, मण्डी या किसी अन्य स्थान पर एफपीओ के उत्पाद के मार्केटिंग के लिये एक काउन्टर खोलने हेतु मांग की गई। जिसके लिये कलेक्टर श्री सोमवंशी द्वारा संबंधित अधिकारियों के नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। बैठक में उप संचालक कृषि द्वारा बैठक के उद्देश्य के बारे में अवगत कराते हुए जिले में संचालित एफपीओ की विस्तृत जानकारी दी गई। नाबार्ड के डीडीएम द्वारा एफपीओ के वर्तमान स्थिति के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही एफपीओ को बीज, खाद एवं पेस्टीसाइड तथा मण्डी आदि के लायसेंस लेने हेतु आग्रह किया गया। उप संचालक कृषि सीधी द्वारा कृषि अधोसंरचना निधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही एफपीओ के माध्यम से किसानो को ड्रोन का इस्तेमाल, नैनो यूरिया व नैनो डी.ए.पी. के उपयोग करने हेतु प्रेरित करने को कहा गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, कृषि एवं नाबार्ड के डी.डी.एम., एल.डी.एम. तथा सहयोगी विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ डॉ अलका सिंह कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी के अलावा एफ.पी.ओ. के जिला प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो युवकों की हुई मौत

तीसरा गंभीर रूप से हुआ घायल

सरसावा । सहारनपुर (मेडिकल कॉलेज के समीप बीती रात दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनमें से दो की उपचार के दौरान मौत हो गई जबकि तीसरे को गंभीर होने के चलते पीजीआई चंडीगढ़ भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव चतरसाली मिर्जापुर निवासी प्लेटिना बाइक पर सवार दो युवक बिजेंद्र (27) पुत्र हेतराम एवं सन्नी (26) पुत्र लाल सिंह अंबाला रोड से जैसे ही बीदपुर गांव की ओर जा रहे थे कि अचानक सहारनपुर से आ रही बुलेट से टक्कर हो गई। हादसा होते देख राहगीरों ने पिलखनी मेडिकल चौकी को फोन किया। पुलिस कर्मियों ने तीनों घायलों को उठाकर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां प्लेटिना सवार बिजेंद्र तथा सन्नी की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। जबकि बुलेट सवार गंभीर रूप से घायल अनस पुत्र वाजिद निवासी सहारनपुर को हायर सेंटर चंडीगढ़ के लिए रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि तीनों युवकों ने हेलमेट नहीं लगाया था। दोनों युवक अविवाहित थे। बिजेंद्र नजीबाबाद स्थित एक निजी चिकित्सा संस्थान में आई टेक्नीशियन था। वह करीब 15 दिन पूर्व छुट्टी पर घर आया हुआ था। मृतक का एक भाई तथा विधवा मां है।।दूसरा युवक सन्नी टाइल पत्थर लगाने का कार्य करता था। दोनों युवक आपस में दोस्त थे। पुलिस ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। मृतक बिजेंद्र के भाई अजय की तरफ से तहरीर दी गई है।

नगपुरा सरपंच को पद से पृथक करने शिवप्रसाद व ग्रामीणों ने कलेक्टर जनसुनवाई में कि शिकायत

लालबर्रा, बड़ोदिया कॉलेज में मनाया एंटी रैगिंग दिवस

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ शपजूर । शासकीय महाविद्यालय मोहन बडोदिया में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार आज दिनांक 12, अगस्त,2024 को एंटी रैगिंग दिवस का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के आरंभ में संचालक डॉ केशव शर्मा ने रैगिंग के स्वरूप एवं इस आयोजन की आवश्यकता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। डॉ अंजनी कुमार तिवारी,डॉ राजकुमार सूत्रकार, गोपाल सिंह वर्मा एवं अभय भोसले ने भी रैंगिंग के निषेध के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। प्राचार्य डॉ एस के तिवारी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों से रैगिंग गतिविधियों से दूर रहने और महाविद्यालय में सौहार्द्रपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की। साथ ही बताया कि महाविद्यालय में चार सदस्यी एंटी रैंगिंग एवं अनुशासन समिति गठित है,ऐसी किसी भी समस्या की स्थिति मे विद्यार्थी समिति से संपर्क कर सकते हैं। आज ही के दिन पुस्तकालय दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय की आईक्यूएसी प्रभारी एवं लाइब्रेरियन श्रीमती सौम्या सिंह तोमर ने अपने वक्तव्य में सभी सीनियर - जूनियर विद्यार्थियों को मिलजुल कर रहने व कालेज में उपलब्ध संसाधनो का अधिकतम सदुपयोग करने की बात कही। साथ ही उन्होने पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ रंगनाथनो - जिनके जन्म दिवस को पुस्तकालय दिवस के रूप में मनाया जाता है - का परिचय देते हुए, उनके द्वारा विकसित किये गये इस क्षेत्र में हम कैसे अपना करियर निर्माण कर सकते हैं, यह भी बताया। डॉ रंगनाथन को उनके जन्मदिवस के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये। इसके पश्चात प्रभारी डॉ केशव शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को रैगिंग निषेध की शपथ दिलवाई गयी और 12 -18 अगस्त,2024 तक चलने वाले एंटी रैगिंग सप्ताह में आयोजित होने वाली जागरुकता गतिविधियों की जानकारी दी गयी। अंत में विद्यार्थियों एवं स्टाफ द्वारा कालेज से मंडी परिसर तक तिरंगा यात्रा भी निकाली गयी।

कार्यक्रम में डॉ वंदना मंडोर, सायरा बानो खान, जितेंद्र विश्वकर्मा व मोहन सूर्यवंशी सहित बडी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

जिला पंचायत सीईओ से 30 जुलाई को लिखीत शिकायत कर पद से पृथक करने कि मांग कि है। वहीं शिकायत पत्र में लेख है कि सरपंच व उसके पति के विरुद्ध न्यायालय तहसीलदार लालबर्रा के न्यायालय में रा.प्र. क्र. 0024/अ-68 /वर्ष 2023-24 शिवप्रसाद विरुद्ध श्रीमती अनीता+1 संस्थित किया गया था जिसमें दिनांक 24/5/2024 को अंतिम आदेश पारित हो चुका है, वहीं अनिता जीवन लिल्हारे को अतिक्रमण का दोषी पाते हुए अर्थदंड से दंडित किया गया है, सरपंच पद पर रहते हुए अतिक्रमण का जो अपराध किया है वह सरपंच पद के प्रतिकूल है ऐसी स्थिति में पदासीन सरपंच पारित आदेश के आधार पर पद से पृथक किये जाने योग्य है,मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अपराधी सरपंच के विरुद्ध म प्र पंचायती राज अधिनियम कि धारा 40 के अनुसार पद से पृथक किये जाने का अधिकार सौंपा गया है इस प्रकार प्रस्तुत आवेदन पत्र माननीय मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय के अन्तर्गत एवं सुनवाई क्षेत्राधिकार में होने से कार्यवाही का पुर्वाधिकार प्राप्त है।सरपंच के द्वारा अपने जेठ सुंदरलाल लिल्हारे को किसी भी तरह आर्थिक लाभ पहुंचाया एवं शासकीय चारागाह भूमि खसरा नं.353/1रकबा 0.405 है में से अतिक्रमण करवाकर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाया है एवं अपने पद का दुरुपयोग करते हुए लगातार 13 वर्षों से अपने सगे संबंधियों को अनेकानेक लाभ पहुंचाकर पद का दुरुपयोग किया है सहित अन्य और भी बातें इस शिकायत पत्र में उल्लेख है उक्त शिकायत कमीशनर महोदय जबलपुर संभाग,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट,अनुविभागीय दंडाधिकारी अधिकारी वारासिवनी व जनपद पंचायत सीईओ से किये है जिसमें प्रमुख रूप से शिवप्रसाद लिल्हारे,

यामेश्वरी बाई,सलिन,बारजा बाई, पलसराम लिल्हारे, रवि लिल्हारे,भौला कावरे, शंकर पंचेश्वर,तेजलाल लिल्हारे,मनोज लिल्हारे,सागर क्रशमरे सहित अन्य और ग्रामीणों ने सरपंच पर पद से पृथक कर धारा 40 कि कार्यवाही कि मांग किए हैं।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की हुई मौत

परिजनों में मचा कोहराम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ छुटमलपुर । सहारनपुर, बागड़ यात्रा से लौट कर परिवार में कंदूरी का उत्सव चल रहा था कि इकलौते बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई। जिससे उत्सव की सारी खुशियां मातम में बदल गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार

फतेहपुर थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर कलां निवासी धर्मेंद्र कश्यप लोक निर्माण विभाग में कर्मचारी हैं। उनका इकलौता बेटा विकास कश्यप (15) बागड़ यात्रा से वापस लौटा था। उसकी कंदूरी का उत्सव चल रहा था। घर में रिश्तेदारों तथा आस पास के लोगों की भीड़ लगी थी। इसी दौरान विकास अपने चचेरे भाई शुभम के साथ बाइक पर गांव के बाहर से गुजर रहे छुटमलपुर देहरादून हाईवे की तरफ चला गया। गांव से एक किमी दूर हाईवे पर उत्तराखंड के हरिद्वार जिले की सीमा में एक कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में विकास बेहोश हो गया। राहगीरों ने उसे तुरंत फतेहपुर सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक कार को मौके पर छोड़कर भाग गया। पुलिस ने बताया कि कार को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि विकास अपने मां-बाप का इकलौता पुत्र था। उसकी एक छोटी बहन है। उसकी मौत के बाद कंदूरी का उत्सव मातम में बदल गया। परिजन बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव को घर ले गए। पुलिस का कहना है कि यदि तहरीर मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी।

कार्यक्रम में डॉ वंदना मंडोर, सायरा बानो खान, जितेंद्र विश्वकर्मा व मोहन सूर्यवंशी सहित बडी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे

बड़ोदिया कॉलेज में मनाया एंटी रैगिंग दिवस

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ बडोदिया, शासकीय महाविद्यालय मोहन बडोदिया में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार आज दिनांक 12, अगस्त,2024 को एंटी रैगिंग दिवस का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के आरंभ में संचालक डॉ केशव शर्मा ने रैगिंग के स्वरूप एवं इस आयोजन की आवश्यकता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। डॉ अंजनी कुमार तिवारी,डॉ राजकुमार सूत्रकार, गोपाल सिंह वर्मा एवं अभय भोसले ने भी रैंगिंग के निषेध के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये।

प्राचार्य डॉ एस के तिवारी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों से रैगिंग गतिविधियों से दूर रहने और महाविद्यालय में सौहार्द्रपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की। साथ ही बताया कि महाविद्यालय में चार सदस्यी एंटी रैंगिंग एवं अनुशासन समिति गठित है,ऐसी किसी भी समस्या की स्थिति मे विद्यार्थी समिति से संपर्क कर सकते हैं। आज ही के दिन पुस्तकालय दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय की आईक्यूएसी प्रभारी एवं लाइब्रेरियन श्रीमती सौम्या सिंह तोमर ने अपने वक्तव्य में सभी सीनियर - जूनियर विद्यार्थियों को मिलजुल कर रहने व कालेज में उपलब्ध संसाधनो का अधिकतम सदुपयोग करने की बात कही। साथ ही उन्होने पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ रंगनाथन - जिनके जन्म दिवस को पुस्तकालय दिवस के रूप में मनाया जाता है - का परिचय देते हुए, उनके द्वारा विकसित किये गये इस क्षेत्र में हम कैसे अपना करियर निर्माण कर सकते हैं, यह भी बताया। डॉ रंगनाथन को उनके जन्मदिवस के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये। इसके पश्चात प्रभारी डॉ केशव शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को रैगिंग निषेध की शपथ दिलवाई गयी और 12 -18 अगस्त,2024 तक चलने वाले एंटी रैगिंग सप्ताह में आयोजित होने वाली जागरुकता गतिविधियों की जानकारी दी गयी। अंत में विद्यार्थियों एवं स्टाफ द्वारा कालेज से मंडी परिसर तक तिरंगा यात्रा भी निकाली गयी। कार्यक्रम में डॉ वंदना मंडोर, सायरा बानो खान, जितेंद्र विश्वकर्मा व मोहन सूर्यवंशी सहित बडी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का कार्य करे कार्यकर्ता - करणसिंह वर्मा

मध्यप्रदेश सरकार के राजस्व मंत्री का भाजपा कार्यालय पर हुआ स्वागत

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, केंद्र और प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आम लोगो के जीवन को बेहतर बनाने का काम कर रही है। बस जरूरत है तो जरूरतमंदों तक योजनाएं पहुंच जाए इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ता योजनाओं का प्रचार प्रसार के साथ हितग्राहियों तक योजना पहुंचाने का काम करे। यह बात मप्र सरकार के राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने सोमवार को भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कही। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि मंत्री श्री वर्मा दो दिवसीय प्रवास के दौरान शाजापुर आए थे। दोपहर 2.30 बजे भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे मंत्री श्री वर्मा का पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने स्वागत किया। इसके बाद कार्यालय में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन के कार्यों के साथ सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का भी कार्य करे। उन्होंने यह भी कहा की शाजापुर के कार्यकर्ता की मेहनत यहां के चुनाव परिणाम देख कर भी लगती है, जिन्होंने कांग्रेस की सीट को जीता है। कार्यकर्ता इसी मेहनत से काम करते रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक, शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने भी संबोधित किया। इस अवसर नपा अध्यक्ष प्रेम जैन भी मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री दिनेश शर्मा ने किया तथा आभार जिला महामंत्री संतोष बराड़ा ने माना। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नानपुर में सर्व हिंदू समाज महिला मंडल द्वारा निकाली भव्य कावड़ यात्रा

गूंजे बम बम भोले के जयकारे...

रिज़वान शेख । सिटी चीफ नानपुर, श्रावण मास में भगवान शिव के प्रति निष्ठा और आस्था का सैलाब प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी देखा गया ।

नानपुर के सर्व हिंदू समाज की मातृ शक्तियों द्वारा भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। नानपुर से 12 किमी दूर ढोलिया(जिला धार) स्थित प्रसिद्ध ईश्वर महादेव मंदिर के पवित्र कुंड से जल लेकर महादेव का पूजन अभिषेक के बाद सभी ने अपनी कावड़ में उक्त कुंड से जल भरा। बम बम भोले के जयकारे लगाते हुए ,कंधो पे कावड़ के साथ मातृ शक्ति,और युवतियां ,बच्चे मधुर मधुर भजनों

की धुन पर थिरकते हुए भगवान भोलेनाथ के भजन गाते पैदल चल रहे थे। स्थानीय के बी रोड पर स्थित अति प्राचीन शिव मंदिर पर मातृ शक्तियों द्वारा भगवान शिव का जलाभिषेक करने के पश्चात नगर के सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक किया। इस हिंदू मातृ शक्ति की कावड़ यात्रा में सैकड़ों की संख्या में विशाल कावड़िया नानपुर सहित आस पास के क्षेत्र से उत्साह पूर्वक सम्मिलित हुई। सभी कावड़ियों ने स्थानीय शिवालय पर जलाभिषेक करने के पश्चात अपने-अपने क्षेत्र के भी शिवालय में भी जलाभिषेक किया। उक्त कावड़ यात्रा का नगर के सभी समाज वर्ग, धर्म के लोगों द्वारा नगर के मुख्य मार्गो पर भव्य पुष्प बरसा कर जगह-जगह स्वागत किया। हिंदू मातृशक्ति की कावड़ यात्रा में राठौड़ समाज के युवा संगठन और मातृ शक्ति द्वारा कावड़िऐ के लिए फलाहारी स्वल्पाहार केले खिचड़ी,चाय एवं अलग-अलग स्थान पर शीतल पेय की व्यवस्था में सहयोग किया गया। अंत में सेजगांव रोड़ स्थित श्री महाकाल मंदिर पहुंचकर पवित्र जल भगवान शिव पर अर्पित किया गया। जहां अभिषेक पूजा ट्रपाठ एवं आरती हुई।श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति द्वारा प्रसादी का वितरण किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक ने कहा

तिरंगा देशभक्ति का जज्बा पैदा करता है, जिलेवासी अपने घरों में फहराएं

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक नायक एवं शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने भाजपा जिला कार्यालय पर हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों से अपने अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आव्हान किया। तिरंगा अभियान के शुभारंभ अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व में भाजपा हर घर तिरंगा अभियान चला रही है। आज प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ हो गया है। तिरंगा ज्यादा से ज्यादा लोगों के घरों तक पहुंचाया जा सके, इसका पूरा प्रयास भाजपा कर रही है। आज से मंडल में भाजपा द्वारा तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। जिले में 15 अगस्त तक तिरंगा यात्राएं निकालीं जाएंगीं। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश भक्ति का जज्बा पैदा करता है, सभी जिलेवासी तिरंगा अपने-अपने घरों में फहराए। विधायक अरुण भीमावद ने कहा की तिरंगा हमारे देश की आन, बान और शान है इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आव्हान पर सभी अपने अपने घरों पर तिरंगा अवश्य लगाए। इस अवसर पर जिला महामंत्री दिनेश शर्मा, संतोष बराड़ा, जिला उपाध्यक्ष गोपाल राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी, जिला कार्यालय मंत्री विपुल कसेरा, जिला मंत्री आशुतोष श्रीवास्तव, नपा अध्यक्ष प्रेम जैन, मंडल अध्यक्ष नवीन राठौर, हरिओम गोठी, जगदीश पाल, मोहन जादौन, शीतल भावसार, रमेश पाटीदार, आशीष नागर, सोशल मीडिया संयोजक सोनू सोलंकी, भगवानदास बैरागी, रामस्वरूप पाटीदार, अर्जुनसिंह राजपूत, वीरेंद्र पाटीदार, अरुण शर्मा, श्याम शर्मा, ओम इंद्रिया, मुकेश पंवार, लक्ष्मीनारायण कारपेंटर आदि उपस्थित थे।

तिरंगा हमारा गर्व, गौरव और अभिमान है - हेमलता रघुवीर रावत अध्यक्ष जनपद शिवपुरी

हर घर में तिरंगा, हर दिल में देशभक्ति - जनपद सदस्य

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ आज जनपद शिवपुरी में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयोजित विशाल तिरंगा यात्रा का जनपद अध्यक्ष शिवपुरी श्रीमती हेमलता रघुवीर रावत ने हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया एवं उसमे सहभागिता कर लोगों का उत्साहवर्धन किया. तिरंगा यात्रा में एक सैकड़ा से अधिक अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया एवं 30 जनप्रतिनिधियों ने इस यात्रा में सम्मिलित होकर हर घर को तिरंगा लगाने के लिए प्रोत्साहित किया ! इस यात्रा में जनपद सीईओ गिर्राज शर्मा ,जनपद के जनपद सदस्य ,जनपद के समस्त अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए.

पिकेव्ही मजुर, प्रकल्पग्रस्त आंदोलनाला रवि राठी यांच्या पाठिंबा

थेट कृषिमंत्र्यांपर्यंत पोहोचवल्या समस्या

डॉ संजय चव्हाण । सिटी चीफ
मुर्तीजापुर, मुर्तीजापुर मतदार संघ अंतर्गत येत असलेल्या मध्यवर्ती प्रात्यक्षिक प्रक्षेत्र वणी रंभापुर येथील रोजंदारी मजूर तथा प्रकल्पग्रस्त मजूर यांनी दिनांक 12 ऑगस्ट 2024 पासून बेमुदत संप पुकारला आहे यामध्ये त्यांना पाठिंबा दिला असून त्यांच्या असलेल्या समस्या आहेत कि प्रत्येक विभागावरील 179 दिवसाचा निर्णय रद्द करण्यात यावा,प्रत्येक विभागावर मजुरांना 12 माही काम देण्यात यावे.,प्रत्येक विभागावरील मंजुरात पध्दत बंद करण्यात यावी,प्रत्येक विभागावर 20+20 स्त्रि व पुरुष मजुरांचा कायम करण्यात यावा, किमान वेतन आयोगाप्रमाणे अस्थाई रोजंदार मजुरांच्या सन-2014 च्या शासकीय नियमानुसार वेतनामध्ये वाढ करण्यात यावी,सेवा जेष्ठतेनुसार रोजंदार मजुर. प्रकल्पग्रस्त मजुर यांची पदे भरण्यात यावी. यासाठी प्रक्षेत्रावरील रोजंदार व प्रकल्पग्रस्त मजुर यांनी वणी रंभापुर येथे काम बंद आंदोलन पुकारले असून या कामबंद आंदोलनालात सहभागी होऊन शेतमजूर प्रकल्पग्रस्त यांच्या समस्या रवि राठी यांनी जाणून घेतल्या आणि यांच्या समस्येच्या बाबत राज्याचे कृषिमंत्री धनंजय मुंडे साहेब यांच्यासोबत दूरध्वनीद्वारे संपर्क साधत यांच्या समस्या त्यांच्यापर्यंत पोहोचवले आहे लवकरच या समस्यावर निराकरण करण्यासाठी आंदोलनाला माझा पूर्णपणे पाठिंबा आहे असे यावेळी राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार प्रदेश संघटक सचिव रवी राठी यांनी आपले मत व्यक्त केले यावेळी हजारो मजूर तथा प्रकल्पग्रस्त उपस्थित होते

जागरूकता अभियान का हिस्सा बनें, खुद भी जागरूक हों और दूसरों को भी करें जागरूक : गणेश सिंह

एड्स सघन जागरूकता अभियान कार्यक्रम का सांसद ने किया शुभारंभ

2 महीने तक जिले भर में संचालित होंगी विभिन्न गतिविधियां

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय प्रांगण में सांसद गणेश के मुख्य अतिथ्य एवं जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल की अध्यक्षता में एड्स सघन जागरूकता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ के. एल. नामदेव, डॉ क्रांति मिश्रा संगठक एनएसएस एवं सुशील सिंह मुन्ना सिंह पार्षद उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ विजेता राजपूत, डॉ देवेंद्र सिंह पटेल ब्लड बैंक प्रभारी, डॉ पूजा गुप्ता नोडल एड्स, डॉ शरद दुबे आरएमओ, डॉ निर्मला पांडेय डीपीएम एवं डॉ धीरेंद्र वर्मा प्रशासक, शासकीय नर्सिंग कॉलेज की फैकल्टी स्टाफ एवं शासकीय डिग्री कॉलेज, गर्ल्स कॉलेज, आदित्य कॉलेज एवं स्कॉलर्स होम कलेज के छात्र-छात्राएं व गणमान्य जन मौजूद रहे। गीत के माध्यम से छात्राओं ने अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकार डॉ एलके तिवारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं जिले में संक्रमित व्यक्तियों का डाटा बताते हुए कहा सतना जिले में कुल संक्रमित व्यक्तियों की संख्या वर्ष 2002 से लेकर वर्ष 2024 तक में 584 पुरुष, 352 महिलाये एवं 78 गर्भवती महिलाओ को मिलाकर कुल 1014 लोग एचआईवी से संक्रमित पाए गए है। उन्होने बताया कि जिले में यह कार्यक्रम लगातार 2 महीने तक संचालित किया जाएगा। चिन्हित क्षेत्रों में विशेष अभियान के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाएगा। पम्पलेट वितरण, होर्डिंग्स, नगर निगम की एलसीडी कचरा गाड़ी एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से कैम्प आयोजित किये जायेंगे। इस दौरान क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ केएल नामदेव द्वारा एचआईवी के रोकथाम हेतु जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला पंचायत अध्यक्ष राम खेलावन कोल ने कहा कि पूरे देश में एचआईव्ही एड्स भयंकर रूप ले रहा है। इसकी जानकारी ही बचाव है। सभी लोग जागरूक रहें, सतर्क रहें। मुख्य अतिथि सांसद गणेश सिंह ने उपस्थित सभी को युवा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि एड्स सघन जागरूकता अभियान का हिस्सा बनें खुद भी जागरूक हों और दूसरों को भी जागरूक करें। एड्स की बीमारी फिर से पैर पसार रही है। प्रदेश में 10 जिलों के के साथ सतना को भी चिन्हित किया गया निश्चित रूप से चिंता की बात है। लेकिन इससे सावधानी ही बचाव है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है। सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम है। इसके साथ दीवार लेखन, होर्डिंग, विज्ञापन कंपनियां, स्वास्थ्य केंद्रों में जागरूकता अभियान, जिला अस्पताल के ओपीडी में यह अभियान चालू रहना चाहिए। सांसद श्री सिंह ने आगे कहा कि जिला अस्पताल में काफी संख्या में मरीज आते हैं। इसे सुपर स्पेशिलटी अस्पताल बनाने की आवश्यकता है। इस दिशा में हम प्रयासरत है। जोखिम उठाकर भी मरीजों की सेवा करना चाहिए। उन्होने कोविड के समय का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य कर्मियों के योगदान को सराहा। श्री सिंह ने कहा कि इस बीमारी से ग्रसित मरीज को समाज तिरस्कृत दृष्टि से न देखें। बीमारी को दूर करने की जरूरत है। सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है। जागरूक रहें और जागरूक करें। उन्होने सीएमएचओ को इस संदर्भ में आंकड़ों को अपडेट करने को भी कहा। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक सिंह द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन डा. विजेता राजपूत ने किया। इस दौरान शास. नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एड्स से बचाव का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नीरज सिंह तिवारी एवं आशुतोष पयासी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में अपर्णा त्रिपाठी, ममता सिंह, आशीष पांडे, दिनेश साहू, स्वाति तिवारी, विनोद साकेत, कशिश सेन, पूजा सोंधिया, शांति कुशवाहा, अशोक त्रिपाठी, प्रशंसा सिंह, कुंदन गुप्ता एवं जागृति युवा मंच से ज्योति पांडे, पीएम शिफा नामदेव, नेहा तिवारी, प्रदीप मिश्रा, सौरव रैकवार, दीपिका उपाध्याय, नैंसी द्विवेदी, रवि गुप्ता एवं एड्स विभाग के जिले भर के कर्मचारी उपस्थित रहे।

देश भर में चल रहा हर घर तिरंगा अभियान लेकिन मैहर सबसे ऊंचे

100 फीट के पोल में नगर पालिका ने क्यों नहीं लगाया तिरंगा

ब्लॉक कोंग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने खड़े किए सवालिया निशान

सिटी चीफ । उमेश कुशवाहा
मैहर, देश भर में हर घर तिरंगा अभियान पूरे जोर शोर से चल रहा है किंतु मैहर नगर पालिका जो अपनी लापरवाही के लिए जगत प्रसिद्ध है तिरंगे के सम्मान को भी बचाए रखने के लिए चिंतित नहीं है। शहर के महराजा अग्रसेन चौक पर पूर्व परिषद व अध्यक्ष श्री धर्मेश घई के कार्यकाल में तिरंगे की आन बान और शान को शहर में एक स्वरूप देने के लिए 100 फीट ऊंचा पोल लगाया गया था जिसमें हमेशा तिरंगा झंडा फहराते हुए लोगों में देशभक्ति की भावना का संचार करता था किंतु काफी दिनों से झंडा गायब है और हर घर तिरंगे के अभियान के बीच में भी नगर पालिका ने उक्त स्थल पर अभी तक तिरंगा नहीं लगाया है जो कि उनकी गंभीर लापरवाही युक्त कार्य प्रणाली का सूचक है और यह कहीं ना कहीं दलगत राजनीति से प्रेरित है वर्तमान में नगर पालिका में भाजपा की परिषद हैं और कहीं ना कहीं वे इस पोल में अभी तक तिरंगा ना लगवा कर यह साबित करना चाहते हैं कि पूर्व परिषद द्वारा किए गए अच्छे कार्यों को भी वो त्वजो नहीं देंगे किंतु उन्हें यह नही भूलना चाहिए कि आपसी दलगत राजनीति से राष्ट्र बड़ा है राष्ट्रभक्ति बड़ी है राष्ट्रभक्ति का सम्मान करते हुए अति शीघ्र तिरंगा लगाया जाना चाहिए।ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी दद्दा ने परिषद पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसे राष्ट्र के सम्मान पर चोट करार दिया है। उन्होंने कलेक्टर को लिखे पत्र में अति शीघ्र इस पोल पर तिरंगा लगाने की मांग की है।

निकली तिरंगा यात्रा, राष्ट्रभक्ति में डूबे लोग

विभिन्न कार्यक्रमों में राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने लिया हिस्सा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, स्वतंत्रता दिवस के पूर्व जिले भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमे लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। यह ऐसा समय है जब सभी लोग मिलजुलकर कार्य कर रहे हैं। राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी रविवार को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्र-1में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित सीएमसीएलडीपी के युवा नेतृत्व संवाद तथा एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण महाअभियान कार्यक्रम में शामिल हुई। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्र-1में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम के उपरांत राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत तिरंगा रैली निकाली गई। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने रविवार को रैगावं विधानसभा क्षेत्र के धौरहरा और इटमा पहुंचकर ग्राम की नव निर्मित एकल नल जल योजनाओं का लोकार्पण किया। मध्यप्रदेश के 313 विकासखण्डों में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम एक सशक्त प्रतिमान है जिससे जुड़कर ग्रामीण युवा प्रशिक्षित होकर अपने संकल्पों से ग्रामीण विकास के दूत बनकर शासन की योजनायें जमीनी स्तर तक प्रसारित करनें के वाहक बने हुये है। इस आशय की बात म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखण्ड सोहावल द्वारा शासकीय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के सभागार में आयोजित एम.एस.डब्ल्यू और बी.एस.डब्ल्यू पाठ्यक्रम के शुभारंभ अवसर मुख्य अतिथि के रूप में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहीं। नगरीय विकास एवम आवास राज्य मंत्री श्री मती प्रतिमा बागरी ने बताया कि सिविल हास्पिटल नागौद का ब्लड स्टोरेज सेंटर काफी समय पहले स्वीकृत हुआ था, लेकिन अभी तक चालू नहीं हो पाने के कारण ब्लड चढवाने के लिए मरीजों को सतना आना पड़ता था। अब सोमवार से यह सुविधा नागौद अस्पताल में ही मिल सकेगी।

केन्द्रीय जेल सतना नशामुक्त भारत

अभियान कार्यक्रम का आयोजन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, केन्द्रीय जेल में नशामुक्त भारत अभियान अन्तर्गत देश के 78 वें स्वतंत्र दिवस के अवसर पर एवं NMBA App के पूर्ण होने जा रहे 05 वर्ष के उपलक्ष्य में इस वर्ष नशे के विरूद्ध NMBA उत्सव देशव्यापी जनजागरूकता कार्यक्रम विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।इस जनजागरूकता कार्यक्रम द्वारा बंदियों को नशे से होने वाले नुकसान से अवगत कराया, नशा, नाश की जड़ है तम्बाकू या अन्य किसी भी प्रकार का नशा व्यक्ति को सामाजिक, शारीरिक, आर्थिक, मानसिक रूप से कमजोर कर देता है, नशा करने वाला व्यक्ति ही नही उसका पूरा परिवार प्रभावित हो जाता है। बंदियों से आह्वान किया गया कि किसी भी प्रकार के नशे को हमेशा के लिये त्याग दें, स्वयं एवं अपने परिजनों, मित्रजनों को नशे से दूर रहने के लिये प्रेरित करें।कल्याण अधिकारी श्री अनिरूद्ध कुमार तिवारी, सहायक जेल अधीक्षक श्री अभिमन्यु पाण्डेय द्वारा बंदियों व स्टॉफ को प्रत्येक प्रकार के नशे से दूर रहने हेतु शपथ दिलाई गई। बंदियों द्वारा नशे से दूर रहने हेतु संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा, जेल उप अधीक्षक श्री श्रीकान्त त्रिपाठी, जेल उप अधीक्षक श्री सोनबीर सिंह कुशवाह एवं जेल स्टॉफ उपस्थित रहा।

बंदियों द्वारा किया गया केन्द्रीय जेल में असंख्य शिवलिंग निर्माण व रूद्राभिषेक

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, भारतीय संस्कृति में भगवान शिव की आराधना के लिये सावन / श्रावण का महीना अति उत्तम माना गया है। भक्त गण भगवान शिव की आराधना इस माह बढ़-चढ़कर करते है। इससे केन्द्रीय जेल सतना भी अछूता नही है बंदीगण व स्टॉफ भगवान भोलेनाथ की आराधना में तल्लीन है। इसी क्रम में बंदियों व स्टॉफ के लिये शिवलिंग एवं रूद्राभिषेक का भव्य कार्यक्रम आज आयोजित किया गया।पिछले वर्ष 21 अगस्त 2023 को भी असंख्य शिवलिंग का निर्माण बंदियों द्वारा किया गया था। इस वर्ष भी श्रावन मास के चौथे सोमवार को गुरू सेवा आश्रम हरदुआ रैपुरा के तत्वाधान में आचार्य डॉ0 रजनीश शास्त्री जी के परम सानिध्य में जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा के मार्गदशन में बंदियों के धार्मिक एवं आत्मिक कल्याण हेतु 01 दिवसीय असंख्य शिवलिंग का निर्माण एवं रूद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। धार्मिक भजनों, प्रवचनों व भक्ति-गीत-संगीत के मध्य बंदीगणों व स्टॉफ द्वारा वैदिक मंत्रो से शिवलिंग का निर्माण व रूद्राभिषेक किया गया।जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा द्वारा अपने भाव प्रकट कर आचार्य डॉ0 रजनीश शास्त्री जी का आभार व्यक्त किया एवं भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित कराने के लिये आग्रह किया गया। जेल उप अधीक्षक श्री सोनबीर सिंह कुशवाह द्वारा भगवान शिवजी की उपासना विषय पर बंदियों को आख्यान दिये गये। विधिवत् रूद्राभिषेक उपरांत गाजे-बाजे के साथ कोपर में स्थापित पार्थिव शिवलिंगों को बंदी भाईयों व स्टॉफ द्वारा विसर्जन हेतु विदा किया। इस मौके पर सभी बंदी भक्त गण भावुक हो गये उन्होने भोलेबाबा के जयकारे लगाये।शिवलिंग व रूद्राभिषेक कार्यक्रम में डॉ0 आचार्य रजनीश शास्त्री व उनके साथी श्री गंगाराम, श्री राजेश, श्री अखिलेश गर्ग, श्री केशव, श्री प्रिंस अग्रवाल व जेल स्टॉफ से जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा, जेल उप अधीक्षक श्री श्रीकांत त्रिपाठी, श्री सोनबीर सिंह कुशवाह, कल्याण अधिकारी श्री अनिरूद्ध कुमार तिवारी,, अष्टकोण अधिकारी श्री अभिमन्यु पाण्डेय, जेल स्टॉफ व बंदी साक्षी रहे।

मझगवां जनपद अध्यक्ष और सीईओ की कार्यशैली से

नाराज़ 17 जनपद सदस्य पहुंचे सतना कलेक्टर के द्वार

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, जनपद सदस्यों का आरोप 2024-25 सत्र बजट के लिए नहीं बुलाई कोई बैठक, सभी को अंधेरे में रख बनाईं गई विकास कार्य योजना, अपनी विवादित कार्यशैली को लेकर सदैव सुर्खियों में रहने वाले जनपद सीईओ सुलभ सिंह पुसाम एक बार फ़िर असंवैधानिक तौर पर विकास कार्यों की कार्य योजना को लेकर चर्चाओं में आ गए हैं,बता दें कि जनपद उपाध्यक्ष सहित 16 अन्य जनपद सदस्यों ने एक जुट होकर गुप्त आशय की शिकायत सतना कलेक्टर से की है, जनपद पदाधिकारियों का कहना है कि 2024-25 बजट सत्र की कार्य योजना जनपद सीईओ और जनपद अध्यक्ष द्वारा गुपचुप तरीके से बिना बैठक बुलाए ही बना ली गई है इसमें एक पंचायत को विशेष ध्यान में रखते हुए करीब 60 लाख रुपए का बजट स्वीकृत करने का कार्य किया गया है जिससे अन्य वार्डो के सदस्यों ने ग़लत बताते हुए सतना कलेक्टर से उक्त कार्य योजना को निरस्त करने की मांग की है,बता दें कि मझगवां जनपद सीईओ जो की राजनीतिक प्रभाव में नियमों की आहुति देने से भी नहीं कतराते उनके लिए जनपद सदस्यों का एकजुट होकर मुखर हो जाना जनपद में जल्द बदलाव के संकेत को प्रर्दशित कर रहा है।

500 से ज्यादा लोगों की गई जान

बांग्लादेश हिंसा में हुई 42 पुलिसकर्मियों की मौत

ढाका: बांग्लादेश में हिंसक आरक्षण सुधार आंदोलन और उसके बाद शेख हसीना शासन के पतन के बाद भी जारी व्यापक हिंसक विरोध प्रदर्शन में रविवार तक लगभग चार सप्ताह में कम से कम 580 लोग मारे गए। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

आरक्षण सुधार अभियान और उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के परिणामस्वरूप 16 जुलाई से 6 अगस्त के बीच 543 मौतें हुईं - जिनमें से 42 पुलिस कर्मी थे। 'प्रोथोम एलो% की रिपोर्ट के अनुसार, जहां 16 जुलाई से 3 अगस्त के बीच 217 मौतें हुईं, वहीं शेष 326 हत्याएं 4 अगस्त से 6 अगस्त के बीच हुईं।

छात्रों के नेतृत्व में हुए विद्रोह के कारण शेख हसीना ने प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और 5 अगस्त को भारत के लिए देश छोड़ दिया। 8 अगस्त को नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली। समाचार आउटलेट ने कहा कि 7 से 11 अगस्त के बीच पांच दिनों में सैंतीस और लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि या तो अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई या उनकी मौत की जानकारी बाद में सामने आई।

4-6 अगस्त के बीच, शेख हसीना की अवामी लीग और उससे सहयोगी संगठन जुबो लीग, स्वेचासेबक लीग और छात्र लीग के कम से कम 87 नेता और कार्यकर्ता मारे गए। इस अवधि के दौरान पीड़ितों में से कम से कम 36 पुलिस अधिकारी थे। पुलिस महानिरीक्षक मोइनुल इस्लाम ने पुष्टि की कि 16 जुलाई से 6 अगस्त के बीच 42 पुलिस अधिकारी मारे गए। 4 से 6 अगस्त के बीच हताहतों में कम से कम 23 छात्र थे।

इस दौरान मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके संबद्ध समूहों के कम से कम 12 नेता, कार्यकर्ता और सहानुभूति रखने वाले मारे गए। 4 अगस्त को देशभर में कम से कम 111 मौतें दर्ज की गईं। उनमें से कम से कम 27 अवामी लीग के सदस्य थे। अवामी लीग की रैली के दौरान नरसिंगडी के माधबडी में प्रदर्शनकारियों को गोली मार दी गई प्रदर्शनकारियों ने अवामी लीग के सदस्यों का पीछा किया और उनमें से छह को पीट-पीट कर मार डाला, जिनमें चाडिर्घाल्डी यूनियन परिषद के अध्यक्ष डेलोवर हुसैन भी शामिल थे।

5 अगस्त की दोपहर को जैसे ही शेख हसीना ने बंगलादेश छोड़ा, अवामी लीग के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया और उनके घरों में आग लगा दी गई। अगले दिन हिंसा फिर से शुरू हो गई, जिसके परिणामस्वरूप कई मौतें हुईं। 5 अगस्त को 108 मौतें दर्ज की गईं। उनमें से 49 अवामी लीग के सदस्य थे। 6 अगस्त को 107 लोग मारे गए, जिनमें पार्टी के 11 लोग भी शामिल थे।

अवामी लीग के पूर्व विधायक और पूर्व योजना मंत्री एमए मन्नान ने 'प्रोथोम अलो% को फोन पर बताया, %छात्रों, राजनीतिक नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम लोगों की हत्याओं ने मुझे एक नागरिक के रूप में गहराई से आहत किया है। राजनीतिक दलों को हिंसा से बचने के लिए एक समझौता करना चाहिए।" राजनीति के भविष्य के बारे में।

बांग्लादेश सरकार ने हिंदुओं पर हमलों के लिए मांगी माफी

कहा- पीड़ितों से मिलेंगे यूनुस नुकसान की करेंगे भरपाई

ढाका: बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों और मंदिरों में तोड़फोड़ के लिए सरकार ने माफी मांगी है। गृह मंत्रालय के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) मुहम्मद सखावत हुसैन ने कहा, पिछले हफ्ते हुई हिंसा में बहुत से स्थानों पर हिंदुओं पर हमले हुए, उसके लिए सरकार को खेद है। इस हिंसा में जिन्हें नुकसान हुआ और जो मंदिर तोड़े या जलाए गए हैं उनकी क्षतिपूर्ति व निर्माण के लिए सरकार आर्थिक मदद देगी।

अंतरिम प्रधानमंत्री मुहम्मद यूनुस मंगलवार को हिंसा पीड़ित समुदायों के प्रमुख लोगों से मिलेंगे। उन्होंने भी अल्पसंख्यकों को पूरी सुरक्षा का भरोसा दिया है। ज्ञात हो, यूनुस को दिए बधाई संदेश में पीएम नरेन्द्र मोदी ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई थी और उन्हें रोकने की अपेक्षा की थी।बता दें कि बांग्लादेश में PM पद से शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर चार, पांच व छह अगस्त को भारी हिंसा हुई थी। उपद्रवियों के निशाने पर सरकारी इमारतों के अतिरिक्त अवामी लीग के नेता और हिंदू थे। हिंसा में बहुत से स्थानों पर हिंदुओं पर हमले हुए ढाका में सोमवार को भी हिंदुओं ने अपने समुदाय पर हो रहे सांप्रदायिक अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन किया। इसमेंमहिलाएं भी

सम्मिलित हुई ।

प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर बड़े पैमाने पर हमले हुए। इनमें दो लोग मारे गए और 45 घायल हुए। इन हमलों की पूरे विश्व में निंदा हुई है। सखावत हुसैन ने कहा, जन्माष्टमी, दुर्गा पूजा और अन्य पर्वों पर सरकार की ओर से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जाएंगे जिससे हर्षोल्लास से सभी आयोजन किए जा सकें। सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में कसर नहीं छोड़ेगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकारमें धार्मिक मामलों का मंत्रालय संभाल रहे एएफएम खालिद हुसैन ने कहा है कि सरकार देश में सांप्रदायिक सौहार्द की पक्षधर है। हमलावरों को दंडित किया जाएगा। इस बीच पुलिसकर्मियों ने ड्यूटी पर लौटने का एलान किया है। इसके चलते नागरिक ठिकानों पर तैनात सेना वापस बैरकों में चली गई है।

तुर्की ने इराक में किए हवाई हमले 17 कुर्द आतंकवादी ढेर

अंकारा: उत्तरी इराक में सीमा पार अभियान में कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के ठिकानों पर तुर्की बलों के हवाई हमलों में 17 कुर्द आतंकवादी मारे गये।

तुर्की के रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तरी इराक में ऑपरेशन क्लॉ-लॉक क्षेत्र में हवाई हमले किए गए। तुर्की सुरक्षा बल अक्सर उत्तरी इराक में सीमा पार अभियान चलाते हैं और पीकेके के ठिकानों और ठिकानों को निशाना बनाते हैं।

तुर्की ने अप्रैल 2022 में तुर्की सीमा के पास इराक के मेटिना, जैप और अवासिन-बसयान क्षेत्रों में पीकेके सदस्यों को निशाना बनाने के लिए ऑपरेशन क्लॉ-लॉक शुरू किया था। तुर्की, अमेरिका और यूरोपीय संघ की ओर से आतंकवादी संगठन घोषित पीकेके ने तीन दशकों से अधिक समय से तुर्की सरकार के खिलाफ विद्रोह किया है।

लॉस एंजिल्स में लगे भूकंप के जबरदस्त झटके

रिक्टर स्केल पर मापी गई इतनी तीव्रता

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका में भूकंप के तगड़े झटके महसूस किए गए हैं। लॉस एंजिल्स क्षेत्र में लगे भूकंप के झटकों की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6 मापी गई। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सेवा (यूएसजीएस) ने कहा कि लॉस एंजिल्स क्षेत्र में 4.6 तीव्रता के भूकंप के बाद एक मेडिकल बिल्डिंग हिल गई।

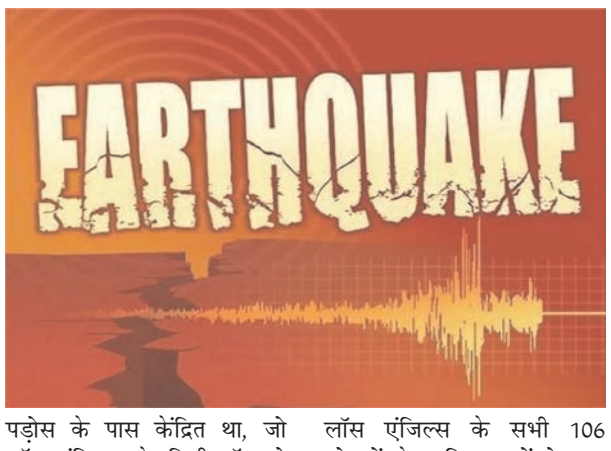

स्थानीय निवासियों ने बताया कि कई जगहों पर गिलास और बर्तन हिलने लगे। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक लॉस एंजिल्स क्षेत्र में सोमवार को भूकंप का जोरदार असर महसूस किया गया। उनके मुताबिक भूकंप लॉस एंजिल्स के हाईलैंड पार्क के पड़ोस के पास केंद्रित था, जो लॉस एंजिल्स के सिटी हॉल से लगभग 6.5 मील उत्तर-पूर्व में और सतह से लगभग 7.5 मील नीचे था। एक बयान में कहा कि लॉस एंजिल्स के सभी 106 स्टेशनों के अग्निशामकों ने 470 वर्ग मील के शहर का सर्वेक्षण किया और कोई महत्वपूर्ण नुकसान नहीं पाया।

रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए तोहफा

24 घंटे उपलब्ध रहेगी फ्री बस सेवा, ड्राइवर कंडक्टर को भी मिलेगी प्रोत्साहन राशि

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार इस बार भी रक्षाबंधन के पर्व पर बहनों को एक बड़ा तोहफा देने जा रही है। सरकार ने प्रदेश की माताओं और बहनों के लिए बस का सफर फ्री कर दिया है।18 अगस्त की रात 12 बजे से 19 अगस्त की रात 12 बजे तक प्रदेश की महिलाएं रोडवेज की बसों मुफ्त सफर कर सकेंगी। परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने इसके लिए निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने रोडवेज के चालक-परिचालक के लिए भी रक्षाबंधन का तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि चालक-परिचालक जितनी मेहनत करेंगे, उन्हें उतनी प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। बता दें कि रक्षाबंधन के पर्व पर महिलाओं के लिए 24 घंटे यह सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस दौरान महिलाएं सिटी

बस या फिर परिवहन निगम की किसी भी बस से मुफ्त में यात्रा कर सकती हैं। परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा है कि रक्षाबंधन पर्व पर अतिरिक्त सेवाएं उपलब्ध कराए। 17 से 22 अगस्त तक आधिकारिक बसों का संचालन कराया जाए, जिससे लोगों को रक्षाबंधन पर्व पर आवागमन में कोई असुविधा न हो। शत प्रतिशत बसों को ऑन रोड किया जाए। सभी अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए। इस दौरान कोई भी अधिकारी बिना सूचना दिए कार्यस्थल नहीं छोड़ेगा।

रक्षाबंधन पर रोडवेज के चालक-परिचालक को भी प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। जो भी चालक और परिचालक एक्स्ट्रा समय लगाएगा और जितनी मेहनत करेगा, उसे उतनी ही प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। बता दें कि चालक परिचालक द्वारा 18 सौ किमी बस चलाने पर 12 सौ रुपये प्रोत्साहन राशि मिलेगी। इससे अधिक बस संचालन पर 55 पैसे प्रति किमी की दर से अतिरिक्त भुगतान दिया जाएगा। ऐसे ही डिपो व क्षेत्रीय कार्यशाला के तकनीकी कर्मचारी इस अवधि में प्रत्येक दिन उपस्थित होते हैं तो उन्हें एकमुश्त 500 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसी तरह बस स्टेशनों पर तैनात कर्मियों को 5 हजार रुपये प्रति स्टेशन की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

खतना से खत्म हुई मासूम की जिंदगी

नाई ने काट दिया गलत नस...ज्यादा खून बहने से हुई मौत

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में खतना से एक मासूम की जिंदगी खत्म हो गई। दरअसल यह तब हुआ जब परिवार के लोग नवजात का खतना करवा रहे थे। इसी दौरान गलत नस काटने से नवजात की मौत हो गई। पूरे परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि यह घटना नाई की लापरवाही से हुई है। खतना करते समय गलत नस कटने की वजह से खून बहने लगा। परिजन उसे फरीदपुर के निजी अस्पताल में लेकर गए, लेकिन खून बहना नहीं रुका और उसकी मौत हो गई। एसपी साउथ मानुष पारीक ने बताया कि गलत तरीके से बच्चे की नस काटने के मामले में आरोपी नाई कबीर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। अंगभंग की वजह से बच्चे की मौत होने की बात बताई जा रही है। पुलिस पहुंची तो परिजन पोस्टमार्टम कराने से इन्कार करते रहे।

सीरिया में 5.5 तीव्रता वाले भूकंप के झटके, दहशत में आए लोग अतीत याद कर रोने लगे

इंटरनेशनल डेस्क:मध्य एशिया में सोमवार देर रात 5.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई खबर नहीं है, लेकिन उत्तरी सीरिया और तुर्किये में पिछले साल आए विनाशकारी भूकंप की यादें ताजा होने से लोगों में दहशत फैल गई और लोग रोने लगे। सीरिया के राष्ट्रीय भूकंप केंद्र ने बताया कि हामा से 28 किलोमीटर पूर्व में स्थानीय समयानुसार देर रात 11 बजकर 56 मिनट पर 5.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 5.0 बताई और कहा कि इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था।

सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी 'एसएएनए के अनुसार, हामा और आसपास के क्षेत्रों के अधिकारियों ने भूकंप के कारण जानमाल के बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं दी है। एजेंसी ने बताया कि सीरिया की राजधानी दमिश्क और लेबनान की राजधानी बेरूत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय लोग अपने घरों से बाहर सड़कों पर आ गए। इससे पहले, छह फरवरी 2023 को उत्तरी सीरिया और तुर्किये में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप के कारण 59,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और कई ऐतिहासिक धरोहरें तबाह हो गई थीं।

हामा के स्वास्थ्य निदेशक माहिर यूनुस ने रेडियो स्टेशन 'शम को बताया कि भूकंप के झटकों से घबराकर सुरक्षित जगहों पर भागने की कोशिश में 25 लोगों को मामूली चोटें आईं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569